संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-20 अंक- 270
पृष्ठ 8
गुरुवार
20 जून 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- पेट में इन्फेक्शन होने पर क्या ...
विचार- नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा पाकिस्तान
खेल- भारत सहित ये टीमें कर चुकी हैं ..

नालंदा से कई देशों की विरासत जुड़ी, पीएम मोदी बोले

आग की लपटें किताबें जला सकती है, लेकिन ज्ञान को नहीं

भारत में ही सर्वश्रेष्ठ शिक्षण संस्थान खुल रहे हैं

पीएम मोदी ने कहा कि आज हायर एजुकेशन के लिए भारत में ही सर्वश्रेष्ठ शिक्षण संस्थान खुल रहे हैं। अब भारत के शिक्षण संस्थान ग्लोबल हो रहे। नालंदा विवि को भी दुनिया के हर इलाके में जाना है। दुनिया बुद्ध के इस देश के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलना चाह रही है। नालंदा की यह धरती विश्व बंधुत्व की भावना को नया आयाम दे सकती है। आने वाले 25 साल भारत के युवाओं के लिए महत्वपूर्ण है। नालंदा विवि के विद्यार्थियो के लिए आने वाले दिन महत्वपूर्ण हैं। आप अपने ज्ञान को समाज को एक सकारात्मक बदलाव के लिए प्रयोग करिए। अपने ज्ञान से बेहतर भविष्य का निर्माण कीजिए। नालंदा का गौरव भारत का गौरव है। आपके ज्ञान से पूरी मानवता नई दिशा मिलेगी। मुझे विश्वास है कि हमारे युवा आने वाले समय में पूरे विश्व को नेतृत्व देंगे।

ऐतिहासिक नालंदा यूनिवर्सिटी का नया कैंपस देश को हुआ समर्पित
पीएम मोदी ने किया उद्घाटन, सीएम नीतीश कुमार भी रहे मौजूद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को बिहार के राजगीर में ऐतिहासिक नालंदा विश्वविद्यालय के नए कैंपस का उद्घाटन कर दिया है। बिहार के राजगीर में स्थित नालंदा युनिवर्सिटी कैंपस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुबह पहुंचे। इसके बाद उन्होंने बौधि वृक्ष लगाया और इसके बाद नया कैंपस का उद्घाटन किया।

गौरतलब है कि वर्ष 2016 में नालंदा यूनिवर्सिटी के खंडहरों को संयुक्त राष्ट्र हेरिटेज साइट घोषित किया जा चुका है। इसके बाद ही विश्वविद्यालय का निर्माण कार्य 2017 में शुरू किया गया था। इस विश्वविद्यालय का नया कैंपस से बेहद शानदार है लिए इसके बारे में जानते हैं। इस विश्वविद्यालय की

स्थापना नालंदा विश्वविद्यालय अधिनियम, 2010 के तहत की गई थी। इस नए कैंपस को पुराने कैंपस के पास में ही बनाया गया है।

जानें नालंदा यूनिवर्सिटी के नए कैंपस के बारे में

इस नालंदा यूनिवर्सिटी ने नए कैंपस में दो अकेडेमिक ब्लॉक का निर्माण किया गया है। यहां कुल 40 क्लासरूम बनाए गए है। इन क्लास रूम में कुल 1900 छात्र बैठ कर पढ़ सकते है। इस यूनिवर्सिटी कैंपस में दो ऑडिटोरियम बनाए गए है, जिनकी क्षमता 300 सीटों की है। यहां इंटरनेशनल सेंटर और एम्फीथिएटर भी है, जिसकी क्षमता 2000 लोगों को बैठाने की है।

छात्रों के लिए फैकल्टी क्लब और स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की सुविधा भी दी गई है। नालंदा यूनिवर्सिटी का कैंपस पर्यावरण अनुकूल है। कैंपस में पानी को रिसाइकिल करने के लिए प्लांट लगाया है।

पटना, एजेंसी। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार सुबह बिहार के राजगीर में नालंदा विश्वविद्यालय के नए परिसर का उद्घाटन किया और इसे भारत की जीवंत संस्कृति और विरासत का प्रतीक कहा। इस कार्यक्रम में विदेश मंत्री एस जयशंकर, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और 17 देशों के राजदूत शामिल हुए। कैंपस का उद्घाटन करने के बाद पीएम मोदी ने कहा कि नालंदा यूनिवर्सिटी सिर्फ एक नाम नहीं बल्कि देश की एक पहचान है। उन्होंने कहा कि नालंदा भारत की शैक्षणिक विरासत और जीवंत सांस्कृतिक आदान–प्रदान का प्रतीक है। अपने प्राचीन खंडहरों के निकट नालन्दा का पुनर्जागरण। यह नया परिसर दुनिया को भारत की क्षमता से परिचित कराएगा।

मोदी ने कहा कि मुझे तीसरे कार्यकाल की शपथ ग्रहण करने के बाद पहले 10 दिनों में ही नालंदा आने का अवसर मिला है। ये मेरा सौभाग्य तो है ही, साथ ही मैं इसे भारत की विकास यात्रा के एक शुभ संकेत के रूप में देखता हूं। उन्होंने कहा कि नालंदा एक पहचान है, एक सम्मान है। नालंदा एक मूल्य है, मंत्र है, गौरव है, गाथा है। नालंदा उद्घोष है इस सत्य का... कि आग की लपटों में पुस्तकें भले जल जाएं... लेकिन आग की लपटें ज्ञान को नहीं मिटा सकतीं। उन्होंने कहा कि नालंदा बताएगा...जो राष्ट्र, मजबूत मानवीय मूल्यों पर खड़े होते हैं... वो राष्ट्र इतिहास को पुनर्जीवित करके बेहतर भविष्य की नींव रखना जानते हैं।

पीएम मोदी ने इतिहासकारों के दावों का जिक्र करते हुए कि प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय में लाखों किताबें और पांडुलिपियां अफगान कमांडरों द्वारा जला दी गईं थीं, कहा, नालंदा इस सत्य की घोषणा है। किताबें आग की लपटों में जल सकती हैं, लेकिन आग की लपटें ज्ञान को नष्ट नहीं कर सकती हैं। अफगान कमांडरों द्वारा जला दिया गया। फारसी इतिहासकार सिराज ए मिनाज ने अपनी तबकात–ए–नसीरी में दावा किया कि अफगान कमांडर बख्तियार खिलजी ने नालंदा में 9 मिलियन से अधिक किताबें जला दी थीं।

उन्होंने कहा कि नालंदा केवल भारत के ही अतीत का पुनर्जागरण नहीं है। इसमें विश्व के, एशिया के कितने ही देशों की विरासत जुड़ी हुई है। नालंदा यूनिवर्सिटी के पुनर्निर्माण में हमारे साथी देशों की भागीदारी भी रही है। मैं इस अवसर पर भारत के सभी मित्र देशों का अभिनंदन करता हूं। उन्होंने कहा कि प्राचीन नालंदा में बच्चों का प्रवेश उनकी पहचान, उनकी राष्ट्रीयता को देखकर नहीं होता था। हर देश, हर वर्ग के युवा यहां आते थे। नालंदा विश्वविद्यालय के इस नए कैंपस में हमें उसी प्राचीन व्यवस्था को फिर से मजबूती देनी है। दुनिया के कई देशों से यहां छात्र आने लगे हैं। यहां नालंदा में 20 से ज्यादा देशों के students पढ़ाई कर रहे हैं।

आतिशी ने पीएम मोदी को लिखा पत्र, बोलीं

हक का पानी नहीं मिला तो अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठूंगी

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने बुधवार को कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर राष्ट्रीय राजधानी में चल रहे जल संकट पर हस्तक्षेप करने की मांग की है और कहा है कि अगर समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वह शुक्रवार से अनिश्चितकालीन उपवास पर बैठेंगी। उन्होंने कहा कि हमने हरियाणा सरकार से अनुरोध करके और सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करके हर संभव कदम उठाने की कोशिश की है। हमने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री से हस्तक्षेप की मांग की है। मंगलवार को दिल्ली से अधिकारियों का एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल हरियाणा सरकार के अधिकारियों से मिला लेकिन उन्होंने पानी उपलब्ध कराने से इनकार कर दिया।

आतिशी ने बताया कि दिल्ली के लोगों की पीड़ा सारी हदें पार कर चुकी है। मैंने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर उनसे हस्तक्षेप का अनुरोध किया है। अगर अगले दो दिनों में दिल्ली को उसके वाजिब हिस्से का पानी नहीं मिला तो मैं पानी के लिए सत्याग्रह शुरू करूंगा। जब तक दिल्ली को अपना पानी नहीं मिल जाता मैं अनिश्चितकालीन अनशन शुरू करूंगा। दिल्ली अभूतपूर्व गर्मी का सामना कर रही है जिसके कारण पानी की मांग बढ़ गई है। आतिशी ने कहा कि दिल्ली को लगभग तीन करोड़ लोगों के लिए केवल 1,050 एमजीडी (प्रति दिन मिलियन गैलन) पानी मिलता है, जबकि हरियाणा में इतनी ही आबादी को लगभग 6,500 एमजीडी पानी मिलता है। दिल्ली के आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, शहर में अनुमानित पानी की मांग 1,290 एमजीडी है और इसका चरम जल आपूर्ति लक्ष्य 1,000 एमजीडी है। पिछले एक पखवाड़े से, दिल्ली को पानी की आपूर्ति में कमी का सामना करना पड़ रहा है, जिसका मुख्य कारण कच्चे पानी की कमी है।

सीएम केजरीवाल को नहीं मिली राहत

■ 3 जुलाई तक बढ़ी न्यायिक हिरासत

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली एक्साइज पॉलिसी पीएमएलए मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल और विनोद चौहान की न्यायिक हिरासत 3 जुलाई तक बढ़ा दी है। न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने के बाद दोनों को तिहाड़ जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अदालत में पेश किया गया। ईडी के वकील ने कहा कि विनोद चौहान ने गोवा चुनाव के लिए अभिषेक बोइनपल्ली के माध्यम से बीआरएस नेता के कविता के पीए से 25 करोड़ रुपये प्राप्त किए। उन्होंने यह भी कहा कि इस महीने के अंत तक विनोद चौहान के खिलाफ

अभियोजन शिकायत दायर की जाएगी. उन्हें मई में गिरफ्तार किया गया था। इस मामले में अगली अदालती सुनवाई 3 जुलाई को होगी, जब केजरीवाल की न्यायिक हिरासत खत्म हो जाएगी। प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को अदालत से अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत बढ़ाने का आग्रह करते हुए कहा कि दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति में कथित अनियमितताओं की आगे की जांच के लिए यह आवश्यक है, जिसे 2022 में खत्म कर दिया गया था। आईओ ने कहा कि मामले से जुड़े ध100 में से ध45 करोड़ का पता लगा लिया गया है। अपनी हिरासत के विस्तार का विरोध करते हुए, सीएम ने वकील विवेक जैन के माध्यम से प्रतिनिधित्व किया और कहा कि आवेदन षुणों से रहित है।

राहुल 54 साल के हुए, खड़गे ने दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे समेत पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बुधवार को सांसद राहुल गांधी के जन्मदिन पर शुभकामनाएं दी। श्री गांधी आज 54 साल के हो गये।

श्री खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने संदेश में कहा, "भारत के संविधान में निहित मूल्यों के प्रति आपकी अटूट प्रतिबद्धता और लाखों अनसुनी आवाजों के प्रति आपकी सहानुभूति, वे गुण हैं जो आपको दूसरों से अलग करते हैं।" उन्होंने आगे कहा, "विविधता में एकता, सद्भाव और करुणा का कांग्रेस पार्टी का सिद्धांत आपके सभी कार्यों में दिखाई देता है, क्योंकि आप सत्ता को सच्चाई का आईना दिखाकर आखिरी व्यक्ति के आंसू पोंछने के अपने मिशन में लगे हुए हैं। मैं आपके लंबे, स्वस्थ और खुशहाल जीवन की कामना करता हूं।"

नशे पर मान सरकार सख्त

नशे के व्यापार में शामिल पुलिसकर्मी तुरंत होगा बर्खास्त, तस्करों की संपत्ति होगी कुर्क

नयी दिल्ली, एजेंसी। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंगलवार को निचले स्तर के पुलिस अधिकारियों और तस्करों के बीच गठजोड़ को तोड़ने के लिए सख्त कदमों की घोषणा की। मान ने कहा कि जो भी पुलिस अधिकारी नशीली दवाओं के व्यापार में शामिल पाया जाएगा, उसे सेवा से बर्खास्त कर दिया जाएगा और तस्करों की संपत्ति जब्त कर ली जाएगी।

मान ने राज्य भर में बड़े पैमाने पर निचले स्तर के पुलिस अधिकारियों के तबादले की भी घोषणा की और कहा कि विभाग को मजबूत करने के लिए 10,000 और पुलिस कर्मियों की भर्ती की जाएगी।

चंडीगढ़ में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों के साथ बैठक के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए मान ने कहा कि पुलिस विभाग में जल्द ही सुधार देखने को मिलेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव के दौरान पंजाब में भारी मात्रा में ड्रग्स और नकदी जब्त की गई। उन्होंने कहा कि हमें सुराग मिला कि ये कहां से आए थे और उनका गंतव्य क्या था। हमारे पास पूरी जानकारी है।

मान ने कहा कि जिस दिन आदर्श आचार संहिता समाप्त हुई, मैंने पुलिस महानिदेशक को फोन किया और नशीली दवाओं के खतरे पर कार्रवाई करने को कहा। मान ने कहा कि ऐसे आरोप हैं कि अधिकारी 10 साल से अधिक समय से एक ही पुलिस स्टेशन में काम कर रहे हैं और वहां पक्षपात चल रहा है।

सीएम ने कहा कि निचले स्तर के पुलिस अधिकारियों और ड्रग तस्करों के बीच एक सांठगांठ थी, इसलिए राज्य पुलिस प्रमुख से पुलिस स्टेशन में तैनात अधिकारियों को तुरंत स्थानांतरित करने के लिए कहा गया है।

संसद में प्रियंका गांधी की मौजूदगी से कांग्रेस को लाभ होगा : शशि थरूर

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने मंगलवार को कहा कि लोकसभा में प्रियंका गांधी की मौजूदगी से विपक्षी दलों को मजबूती मिलेगी और वायनाड के लोगों को संसद में उनका प्रतिनिधित्व करने के लिए एक बहुत मजबूत व्यक्ति मिलेगा। थरूर ने नेय्याट्टिनकारा विधानसभा क्षेत्र में अपने आभार जताने के अभियान के दौरान कहा कि प्रियंका चुनाव प्रचार के दौरान बहुत प्रभावी वक्ता रही हैं और उन्हें खुशी है कि उन्होंने केरल से चुनावी राजनीति में प्रवेश करने का फैसला किया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि राहुल जी को रायबरेली सीट अवश्य ही अपने पास रखना चाहिए, यह उत्तर प्रदेश और सामान्य रूप से उत्तर भारत के लोगों के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण संकेत है।'' खुले वाहन में सवार होकर निर्वाचन क्षेत्र का दौरा करते हुए मतदाताओं का आभार व्यक्त कर रहे थरूर ने कहा, साथ ही, वह (राहुल) यह भी महसूस नहीं करना चाहते थे कि वह वायनाड के लोगों को छोड़ रहे हैं. .. और इसे अपनी बहन को सौंपना बेहतर है।

नन्द किशोर सिंह पी.जी. कालेज
सम्बद्ध : प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज
धनुहा, चाका, नैनी, प्रयागराज
आवश्यकता है सहाचार्यो की
बी.एड. - सहाचार्य - 15 पद
वेतन एवं योग्यता यूजीसी/ शासन/ विश्वविद्यालय के मानकानुसार
विज्ञापन के 7 दिवस के अन्दर महाविद्यालय के प्राचार्य कक्ष में आवेदन जमा करें।
मो० नं० - 9838868000

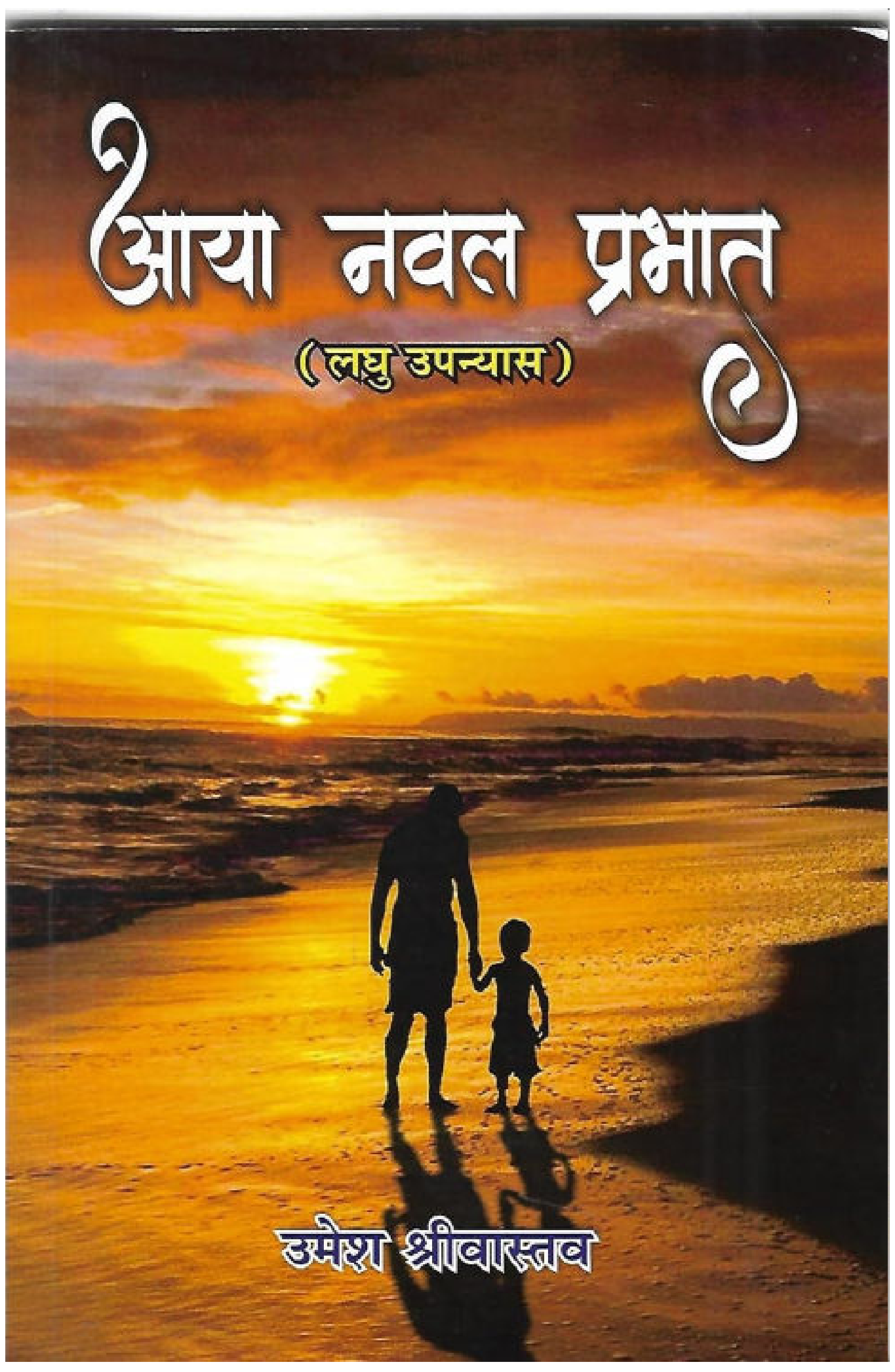

प्रयागराज में हीटवेव से मिली राहत, छाए बादल

तापमान में 3–4 डिग्री तक कमी, 2 दिनों से सूरज की तपिश में कमी

प्रयागराज। प्रयागराज में बुधवार को तापमान में गिरावट दर्ज की गई। दो दिनों में मौसम में बदला है। पहले तापमान 45 डिग्री

सेल्सियस के पार जा रहा था। अब इसमें 3–4 डिग्री की गिरावट हुई है। जिले में सोमवार की शाम से मौसम बदला है। हवा चलने से उमस से राहत मिली है। बुधवार की सुबह से आसमान में बादल छाए हुए हैं। करीब 25 दिन बाद अब मौसम सुहाना हुआ है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि जल्द ही मानसून की एंट्री होगी। मौसम विज्ञानियों ने बताया था– 19 से 20 जून तक मौसम में बदलाव होगा।

लगातार 46 से 47 डिग्री तक चल रहा टेम्प्रेचर

25 मई को नौतपा शुरू होने के बाद से लगातार भीषण गर्मी पड़ी। प्रयागराज देश में सबसे गर्म शहरों में गिना जाने लगा। यहां का तापमान 46 से 47 डिग्री तक पहुंचा। तेज धूप और लू से लोगों की जानें भी जा रही थी। पोस्टमॉर्टम हाउस हो या श्मशान घाट हर जगह लाशों की संख्या बढ़ने लगी। अब स्थिति सामान्य होने की संभावना है।

16 हजार बच्चों के पास आधार नहीं, कैसे दिखेंगे स्मार्ट?

यूनिफार्म व स्टेशनरी के लिए मिलते हैं 1200 रुपए, अकाउंट में ट्रांसफर नहीं होगी धनराशि

प्रयागराज। परिषदीय स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को सरकार की ओर से 1200 रुपए इसलिए दिए जाते हैं तकि वह स्कूल यूनिफार्म व स्टेशनरी के सामान आदि खरीद सकें। लेकिन

प्रयागराज में 16 हजार से ज्यादा ऐसे बच्चे हैं जिनका आधार कार्ड ही नहीं बना है, ऐसे में उनके अभिभावकों के खाते में यह धनराशि नहीं जा सकती है। पूरे जनपद की बात की जाए तो यहां परिषदीय विद्यालयों में कुल 3,38,961 बच्चे पंजीकृत हैं। जिन बच्चों को आधार कार्ड है उनके अभिभावकों के खाते में जुलाई में यह धनराशि भेजने की प्रक्रिया शुरू होगी। इससे पहले सभी जिलों में छात्रों के अभिभावकों के खातों का विवरण एकत्र करने, आधार कार्ड सीडेड कराने, विद्यार्थियों के आधार कार्ड बनाने व उनके सत्यापन आदि की प्रक्रिया पूरी कराना है।

शिक्षकों व अफसरों के स्तर पर पेंडिंग हैं कुछ डाटा

बच्चों का आधार कार्ड बनाने के लिए शिक्षकों की ओर से विशेष अभियान भी चलाया गया था। इसके बावजूद 16 हजार से ज्यादा बच्चों का आधार नहीं बन सका तथा 2111 छात्रों के आधार कार्ड वेरीफाइड नहीं हुए हैं। पूरे जनपद में 2,79606 छात्रों के आधार कार्ड वेरीफाइड हो चुके हैं लेकिन शिक्षकों के स्तर पर 32,524 छात्रों के डाटा पेंडिंग हैं। ठम्व के स्तर पर 49785 और ठै। के स्तर पर 105807 मामले पेंडिंग हैं। 102213 छात्र–छात्राओं के रिकार्ड पूर्ण कर परियोजना कार्यालय को भेजे जा चुके हैं।

अभियान चलाकर बनाया जा रहा है आधार

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार तिवारी बताते हैं कि चुनाव प्रक्रिया के चलते कुछ पेंडेंसी हो गई थी। जिन विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों के आधार कार्ड नहीं हैं या सीडेड नहीं हुए हैं उन्हें कराया जा रहा है। आधार कार्ड बनाने के लिए प्रत्येक बीआरसी पर कैंप चल रहा है। विद्यालय खुलने के बाद जो छात्र छात्राएं प्रवेश लेंगे उनके भी आधार बनवाए जाएंगे। कोशिश होगी कि शत प्रतिशत बच्चों के अभिभावकों के खातों में धनराशि पहुंचे।

प्रयागराज में गैस सिलेंडर से लगी भीषण आग

करीब तीन लाख का सामान जलकर राख, घटनास्थल पर कोई प्रशासनिक अधिकारी नहीं पहुंचा

मेजा। प्रयागराज के मेजा में बुधवार को एक घर में खाना बनाते समय अचानक गैस सिलेंड लीकेज हो गया। जिससे गैस सिलेंडर में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। आग लगते ही घर पर मौजूद परिवार के लोग और

आस पड़ोस के ग्रामीण आग बुझाने के लिए दौड़े। घंटों तक आग बुझाने का प्रयास किया गया। लेकिन जब घर में लगी आग पर काबू पाया गया, जबतक गृहस्थी का पूरा सामान जलकर राख हो गया था। मेजा तहसील के थाना माण्डा के अंतर्गत गांव खमिनीया के निवासी विनोद पुत्र सूबेदार विश्वकर्मा अपने तीन भाइयों के संयुक्त परिवार के साथ रहते हैं। खाना बनाते समय अचानक गैस सिलेंडर लीकेज हो गया और सिलेंडर में आग लग गई। धीरे–धीरे आग ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। जैसे ही इसकी जानकारी परिजन और आसपास के ग्रामीणों को लगी वैसे ही लोग आग बुझाने के लिए दौड़ पड़े। ग्रामीणों की मदद से किसी तरह घर में फंसे दो बच्चे और तीन महिलाओं को सुरक्षित निकाला गया। आसपास लगे समरसेबल से पानी की बौछार की गई। ग्रामीणों ने अपनी जान पर खेल कर किसी तरह आग को बुझाया। लेकिन तब तक आग ने पूरी गृहस्थी को जलाकर राख कर दिया था। पीड़ित परिवार ने रोते हुए बताया कि आग ने मेरी पूरी गृहस्ती और घर को जलाकर राख कर दिया है। तकरीबन तीन लाख के आसपास का समान और गृहस्थी जलकर राख हो गई। अब हमारे पास कुछ नहीं बचा। बर्तन, पलंग, कपड़े, अनाज, गहने ,फर्नीचर और पूरा गृहस्थी का सामान जलकर राख हो गया।

वहीं इसकी जानकारी अग्निशमन विभाग और अधिकारियों को दी गई। लेकिन कोई प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी या सांसद, विधायक घटनास्थल पर नहीं आए। मामले मे मेजा विधायक संदीप पटेल ने कहा की पीड़ितों से मिलकर सम्भवतः उचित सहायता उपलब्ध कराया जाएगा।

प्रयागराज में बिजनेसमैन के बेटे का अपहरण

सीसीटीवी में रेलवे स्टेशन की तरफ पैदल जाता दिखा, मां ने पड़ोसी पर लगाए किडनैप करने के आरोप

प्रयागराज। प्रयागराज में बिजनेसमैन के बेटे का अपहरण हो गया है। 14 साल का लड़का 9वीं क्लास में पढ़ता है। पुलिस लड़के की तलाश में जुट गई है। शहर के सीसीटीवी खंगाले। एक फुटेज में लड़का पैदल जाते दिखाई दे रहा है। परिजनों ने पड़ोसी पर अपहरण का आरोप लगाया है। मामला धूमनगंज क्षेत्र के कालिंदीपुरम का है।

वहीं दूसरी ओर शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस ने पड़ोसी से मामले को लेकर पूछताछ की तो उसने बालक को जानने से इनकार कर दिया।

पुलिस के अनुसार कालिंदीपुरम निवासी दिलीप सिंह स्टेशनरी और पेपर के कारोबारी हैं। उनके दो बच्चे बेटी अंशिका और बेटा सक्षम है। सक्षम की मां नम्रता ने बताया कि मेरा बेटा 14 जून की शाम करीब 5.30 बजे घर के सामने पार्क में खेलने गया था। रात आठ बजे तक जब वो नहीं लौटा, तब हमने उसकी तलाश शुरू की।

लड़के के पास रुपए नहीं थे, कैसे खरीदेगा टिकट

सक्षम के घर वालों ने बताया– हमने उसके दोस्तों से पूछताछ की। उन्होंने बताया कि सक्षम खेलने ही नहीं आया था। रिश्तेदारों के यहां पता किया। उसका कहीं पता नहीं चला। इसके बाद, धूमनगंज थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। परिवार वालों ने कालिंदीपुरम मार्ग पर लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला। कई फुटेज में सक्षम पैदल जाता नजर आया। एक कैमरे में वह रेलवे स्टेशन के पास जाता दिखा। मां का कहना है– उसके पास रुपए नहीं थे, वह टिकट खरीद नहीं सकता था।

परिवार वालों के आरोप

घरवालों ने कहा– उन्हें पड़ोस में रहने वाले सक्षम के एक दोस्त के पिता पर शक है। कई दिनों से वह सक्षम को कार में घुमाने ले जा रहे थे। उसके ऊपर रुपए खर्च कर रहे थे। जब पुलिस ने उनकी शिकायत की गई तो उन्होंने सक्षम को जानने से ही इनकार कर दिया। मां कहना है कि उनके बेटे के बारे में सक्षम के दोस्त के पिता को सब पता है। मां नम्रता ने कहा– जब बेटा घर नहीं लौटा, तो हमने सबसे पहले उन्हें ही फोन किया था। हमने उनसे पूछा कि क्या आपने सक्षम को कहीं देखा है? तो वो बोले कौन सक्षम, मैं किसी सक्षम को नहीं जानता हूं। उस दिन वो बहुत शराब पिए थे। इसी से उनके ऊपर और शक जा रहा है। उसका घर हमारे पड़ोस में ही है। मुझे मेरा बेटा वापस चाहिए। क्या किसी का फिरौती के लिए फोन आया है? इस सवाल के जवाब में नम्रता ने कहा– नहीं मेरे पास किसी का फोन नहीं आया है। न ही हमारी किसी से दुश्मनी है। धूमनगंज इंस्पेक्टर वैभव सिंह ने कहा– किडनैपिंग का केस दर्ज कर मामले की जांच–पड़ताल की जा रही है। फोन नंबर ट्रेस किए जा रहे हैं। इस घटना के पीछे का मोटिव क्या है? इस सवाल का जवाब तलाशा जा रहा है। जल्द से जल्द बच्चे का रेस्क्यू कर लिया जाएगा।

प्रयागराज में लाश के 6 टुकड़े, 66 मोबाइल नंबर ट्रेस

जौनपुर–प्रतापगढ़ से जुड़ रहा केस, अब तक नहीं मिले सिर और धड़

प्रयागराज। प्रयागराज में युवक की हत्या कर लाश के 6 टुकड़े करने फेंकने के मामले में पुलिस की जांच तेजी से आगे बढ़ रही है। हालांकि, प्रयागराज से प्रतापगढ़ के लिंक मार्ग पर सिर और धड़ की तलाश चली। लेकिन सफलता नहीं मिली। पुलिस ने इस मामले में सबसे अहम क्लू मोबाइल टॉवर के जरिए तलाशने शुरू किए। 66 मोबाइल नंबरों को पुलिस ने ट्रेस किया है। ये नंबर संदिग्ध हैं। ट्रेस किए गए नंबर बहरिया–मुबारकपुर में रात से सुबह तक एक्टिव थे। कई नंबरों को सर्विलांस पर लगाया गया है।

कई जिलों से लापता युवकों की सूची मांगी

डीसीपी गंगा नगर अभिषेक भारती ने कहा– जल्द ही युवक की शिनाख्त कर ली जाएगी साथ इस सनसनीखेज वारदात से पर्दा उठ जाएगा। चूंकि बहरिया–मुबारकपुर मार्ग दो जिलों का लिंक मार्ग है। एक प्रतापगढ़ और दूसरा जौनपुर, ऐसे में शक है कि प्रतापगढ़ या जौनपुर का युवक हो और हत्या कर लाश उस रास्ते से यहां लाई गई हो। इसके अलावा पुलिस ने आसपास के जिलों से लापता युवकों के बारे में जानकारी मांगी है। ऐसे युवक जो 30 से 35 साल के हों, हाथ में कलावा बांधते हों, उन गायब युवकों के बारे में पुलिस जानकारी जुटा रही है।

आइये बताते हैं लाश के टुकड़ों का क्या है पूरा मामला

प्रयागराज में मंगलवार को खाली प्लाट में एक युवक के 6 टुकड़े में कटे हुए हाथ और पैर मिले थे। हाथ में कलावा बंधा था। इससे पता चल रहा है कि मरने वाला युवक हिंदू था। उसके सिर और धड़ गायब हैं। उम्र करीब 30 से 35 साल के बीच है। सूचना मिलने पर पुलिस और डॉग स्क्वायड की टीम ने घंटों जांच की थी। बॉडी पार्ट्स को कब्जे में ले लिया। उसके बाद जांच में जुट गई।

बदबू आने पर लोगों को हुई थी लाश फेंकने की जानकारी

मंगलवार सुबह में करीब 11 बजे यमुनापार इलाके से कुछ राहगीर गुजर रहे थे। बहरिया–मुबारकपुर मार्ग पर उनकी नजर अचानक एक खाली प्लाट में पड़ी। वहां से तेज बदबू आ रही थी। लोगों ने जाकर देखा तो सामने किसी युवक के कटे हुए हाथ और पैर पड़े हुए थे। उसका रंग काला पड़ गया था। युवक की हत्या करके उसकी लाश के टुकडे किए गए। उसके बाद उसे जलाने का प्रयास किया गया है। सिर और धड़ को गायब है। उसकी हत्या प्लानिंग के तहत

की है। जानबूझकर बॉडी पार्ट्स को अलग–अलग जगह पर ले जाकर फेंका गया है। सूचना मिलने पर पुलिस और फारेंसिक की टीम मौके पर पहुंची। मौके से साक्ष्य जुटाए। अभी तक सिर और धड़ को बरामद नहीं किया जा सका है।

पहले जलाने की कोशिश की, जब बॉडी पूरी तरह से नहीं जली तो फेंक दिया

डीसीपी गंगा नगर अभिषेक भारती ने घटना स्थल पर मौजूद लोगों से बात की। उनसे लाश के बारे में जानकारी ली। युवक कौन है, उसकी हत्या किसने और क्यों की है। लाश को कब और किसने फेंका इस बारे में पता लगाया जा रहा है। शव की पहचान के लिए प्रयागराज से लेकर प्रतापगढ़ तक पुलिस टीम लगाई गई है। उन्होंने बताया, सड़क किनारे की जमीन पर टुकड़ों में लाश लाकर जलाने की कोशिश हुई। जब बॉडी पूरी तरह से नहीं जली तो हाथ पैर यहां फेंक दिए गए। जबकि सिर और धड़ कहीं और ले जाकर फेंका ताकि पहचान न हो सके।

प्रयागराज में 106 वर्षीय सेनानी पंचतत्व में विलीन

राजकीय सम्मान के साथ दी गई सलामी, देश की आजादी के लिए सलाहकार की भूमिका निभाई थी

मेजा ।प्रयागराज के मेजा में मांडा के बरहा कला गांव निवासी कमलाकांत तिवारी स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी थे। 106 वर्ष की उम्र में आज उन्होंने अपने जीवन की आखिरी सांस ली। निधन से

परिजनों समेत क्षेत्र मे शोक की लहर व्याप्त है। निधन की सूचना पर मेजा एसीपी रवीशंकर गुप्ता, इंस्पेक्टर मांडा शैलेन्द्र सिंह, चौकी प्रभारी बाबूराम ने मौके पर पहुचें। मांडा के नरवर चौकठा गंगा घाट पर राजकीय सम्मान के साथ गार्ड ऑफ ऑनर के बाद पार्थिव शरीर को आखिरी सलामी दी गई।

सेनानी की जीवनी कहानियां : बता दें, स्वतंत्रता सेनानी श्रीतिवारी का जन्म 3 मई सन 1919 मे हुआ था। वह दीघीया गांव के मूल निवासी थे। ढीलिया गाव के स्वतंत्रता सेनानी राजाराम यादव के बेहद करीबी और परम मित्र थे। बीते सन् 1938 मे अंग्रेजो से लड़ाई मे ऊँचाडीह रेलवे स्टेशन को आग के हवाले किया। मामले में सहयोगी समेत अन्य सेनानियों को जेल जाना पड़ा।

गिरफ्तारी के भय से बसाया था भुदानी जमीन पर दूसरा घर

गिरफ्तारी व अंग्रेजों के भय से उन्होंने बरहा कला मे भूदानी जमीन पर दुसरा घर बनाकर गुजर बसर शुरु किया। लेकिन बभनी इलाके मे रेल की पटरी उखाड़ने के मामले मे उन्हें पुलिस ने उरुवा से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। तकरीबन सात माह बाद जेल से छुटकर घर आए। इसके बाद वह अंग्रेजो को चकमा देकर सेनानियों को खबर देते रहे। सन 1971 मे उन्हें पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा ताबे की सील्ड व पूर्व मुख्यमंत्री हेमवंती नंदन बहुगुडा जोशी द्वारा चांदी की बैच लगाकर सम्मानित किया गया। इसके बाद सन 1972 मे इलाहबाद विश्वविद्यालय मे आयोजित एक कार्यक्रम मे सेनानी को गायक के रूप मे मंच पर सम्मान दिया गया।

सेनानी के अनुरोध पर सड़क का निर्माण : उक्त सेनानी के अनुरोध पर ही पूर्व मुख्यमंत्री हेमवंती नंदन ने आंधी वाया कुर्की कला राजमार्ग का निर्माण कराया था। सेनानी के दो पुत्र राजेंद्र प्रसाद तिवारी व राजधर तिवारी सेवानिवृत्त शिक्षक थे। दोनों पुत्रों की देखरेख में लगातार उनकी सेवा की जा रही थी।

प्रयागराज में ट्रांसफार्मर को दूसरी जगह शिफ्ट करने की मांग

फूलपुर, प्रयागराज। प्रयागराज के समोधीपुर में यूपीसीएल(यूपीसीएल) की ओर से लगाए गए ट्रांसफार्मर को हटाने के लिए स्थानीय लोगों ने डीएम और अन्य उच्च अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा है। डीएम और अन्य उच्च अधिकारियों को दिए पत्र में राम पूजन पटेल ने कहा है कि यूपीसीएल(यूपीसीएल) ने समोधीपुर सड़क के बगल वाली बस्ती में लाइट देने के लिए उनके घर के पास हाई पावर का ट्रांसफार्मर लगाया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि आए दिन ट्रांसफार्मर से चिंगारी उठती रहती है। कई बार ट्रांसफार्मर में आग भी लग चुकी है। भविष्य में बड़ी घटना होने की आशंका बनी हुई है। राम पूजन पटेल का कहना है कि मेरी ही खाली पड़ी जमीन पर ट्रांसफार्मर शिफ्ट किया जा सकता है। हाल में ही तेज चिंगारी निकलने से ट्रांसफार्मर जलने लगा। जिससे पीड़ित राम पूजन पटेल के लगभग दर्जनों आम के पेड़ जल गए। वहीं 30 साल पहले इसी ट्रांसफार्मर से एक की मौत हो गई थी और एक गंभीर रूप से घायल हो गया था।

धर्मातरण का दबाव बनाने वाली महिला को नहीं मिली जमानत

हाईकोर्ट ने कहा–कानून अभी नया, हस्तक्षेप हुआ तो उद्देश्य में विफल हो जाएगा

प्रयागराज इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि धर्म परिवर्तन

विरोधी कानून प्रारंभिक चरण में है। यह समाज में व्याप्त कुप्रथा पर रोक लगाने के लिए बनाया गया है। अगर अदालत अभियोजन कार्यवाही में हस्तक्षेप करेगी तो यह कानून अपना उद्देश्य हासिल करने में विफल हो जाएगा। इसी के साथ कोर्ट ने धर्म बदलने के लिए दबाव डालने की आरोपी महिला रुक्सार को राहत देने से इनकार कर दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर तथा न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की खंडपीठ ने रुक्सार की याचिका को खारिज करते हुए दिया।

घर ले जाकर दुष्कर्म किया था : पीड़िता ने चित्रकूट की कोतवाली नगर थाने में धर्म परिवर्तन विरोधी कानून के तहत एफआईआर दर्ज कराई थी। उसका आरोप है कि जब वह कक्षा दस में थी तो अब्दुल रहमान उसका हर जगह पीछा करता था और एक दिन अपने घर ले गया और दुष्कर्म किया। उसके बाद कई बार दुष्कर्म करता रहा। अब्दुल की शादी हो गई उसके बाद उसके छोटे भाई इरफान ने भी दुष्कर्म किया।

आरोपियों की बहन पर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डालने का आरोप : उसके बाद अब्दुल की बहन रुक्सार ने इस्लाम धर्म कबूल करने को दबाव डाला और रिश्तेदार से निकाह को मजबूर किया। रुक्सार के वकील का कहना था कि याची महिला है। सह अभियुक्तों पर दुष्कर्म का आरोप है, इसलिए उसे राहत दी जाए लेकिन कोर्ट ने यह कहते हुए कोई राहत देने से इनकार कर दिया कि याची पर इस्लाम कबूल कराने व अपने पति के भाई से निकाह करने के लिए दबाव डालने का आरोप है। ऐसे में हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता।

प्रयागराज के युवक की सूरत में चाकू मारकर हत्या

पड़ोसी ने पिता–पुत्र पर हमला किया, पिता की हालत गंभीर, मांडा के रहने वाले हैं दोनों

प्रयागराज। प्रयागराज के रहने वाले एक युवक की गुजरात के सूरत में हत्या कर दी गई। पड़ोसी ने 22 साल के शुभम पर चाकू

से ताबड़तोड़ वार कर उसे मार डाला। बीच–बचाव करने पर शुभम के पिता पर भी हमला किया गया। शुभम प्रयागराज के मांडा थाना क्षेत्र के दिघिया गांव का रहने वाला था। वह पिता के साथ सूरत में रह रहा था। मांडा के दिघिया गांव के 40 वर्षीय संजय शुक्ला सूरत में प्राइवेट कंपनी में काम करते हैं। उनके साथ बेटा शुभम शुक्ला भी कंपनी में काम करता था। दोनों सूरत में जलाराम सोसाइटी में किराए के मकान में रहते थे। बताते हैं कि सोसाइटी में रहने वाले सुरेंद्र शंकर लाल महोबिया से किसी बात को लेकर शुभम का झगड़ा हो गया। रविवार रात दो बजे सुरेंद्र ने शुभम पर चाकू से हमला कर दिया। कई वार करने से उसकी मौके पर मौत हो गई।

बीच बचाव करने पर पिता को भी चाकू मारा : बीच बचाव करने पर पिता संजय शुक्ला को भी हमलावर ने चाकू मारकर जख्मी कर दिया। संजय शुक्ला की हालत गंभीर है। मंगलवार को शव को दीघिया गांव लाकर अंतिम संस्कार किया गया। शुभम तीन बहनों में इकलौता था। उसकी शादी नहीं हुई थी। अंतिम संस्कार के बाद परिवार के कई लोग सूरत के लिए रवाना हो गए ताकि मामले में कार्रवाई कराई जा सके।

झुग्गी झोपड़ी उजाड़ने के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

महाकुंभ के लिए संगम क्षेत्र में उजाड़ी जा रहीं झुग्गियां, कांग्रेसी नेता ने धरना प्रदर्शन किया

प्रयागराज। प्रयागराज में महाकुंभ 2025 को लेकर तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं। पूरे शहर में निर्माण कार्य, सड़के चौड़ीकरण का काम चल रहा है। ऐसे ही संगम क्षेत्र के

आसपास, परेड मैदान के करीब, संगम जाने वाले रास्तों पर निर्माण कार्य और सजावट करने का सिलसिला जारी है। सुरक्षा के मद्देनजर झुग्गी झोपड़ी और सड़कों के किनारे रहने वालों को वहां से हटाया जाने लगा है। झुग्गी झोपड़ियों को उजाड़ने, वहां रहने वालों को हटाए जाने को लेकर राजनीति भी गर्माने लगी है। झुग्गी झोपड़ी वासी और सागर पेशा वालों की लड़ाई लड़ने वाले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अनुग्रह नारायण सिंह ने इसका विरोध शुरू कर दिया है।

धरना स्थल पर बुलंद की आवाज : झोपड़ियों को उजाड़े जाने के खिलाफ बुधवार को कांग्रेस नेता व पूर्व विधायक अनुग्रह नारायण सिंह ने सिविल लाइंस स्थित धरना स्थल पर विरोध प्रदर्शन किया। उनके साथ काफी संख्या में झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले रहे। साथ ही सागर पेशा और अन्य एनसीओ के लोग भी प्रदर्शन में शामिल हुए। अनुग्रह नारायण ने कहा कि किसी को भी बेखर किए जाने के खिलाफ वह आवाज उठाते रहे हैं। इन लोगों को उजाड़ने से पहले कहीं बसाना होगा। विरोध प्रदर्शन करने वालों ने ज्ञापन भी सौंपा।

संक्षिप्त

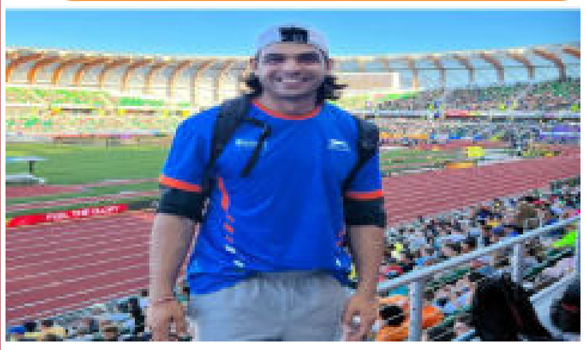

पेरिस ओलंपिक 2024 के बाद डॉक्टर की सलाह लेंगे नीरज चोपड़ा, एडक्टर से हैं परेशान

ओलंपिक और विश्व चौम्पियन भारतीय भालाफेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने कहा है कि वह पेरिस ओलंपिक के बाद 'एडक्टर' (जांघ के भीतरी हिस्से की मांसपेशियों) में होने वाली तकलीफ के इलाज के लिये डॉक्टरों से सलाह लेंगे। एक महीने के ब्रेक के बाद ट्रैक और फील्ड पर लौटे चोपड़ा ने पावो नुरमी खेलों में तीसरे प्रयास में 85 . 97 मीटर के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया। नीरज चोपड़ा ने पिछले महीने एहतियात के तौर पर ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक से नाम वापिस ले लिया था चूंकि वह जांघ के भीतरी हिस्से की मांसपेशी में असहज महसूस कर रहे थे। उन्होंने जीत के बाद कहा ,'' आज मौसम अच्छा था और थोड़ी ठंडक थी। अब मैं बेहतर महसूस कर रहा हूं क्योंकि सभी छह थ्रो फेंक सका।'' उन्होंने कहा ,'' हर साल मुझे एडक्टर में दिक्कत होती है। ओलंपिक के बाद मैं डॉक्टरों से राय लूंगा।'' पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण के दावेदार चोपड़ा ने दो साल पहले इस टूर्नामेंट में 89 . 30 मीटर के साथ रजत पदक जीता था। उन्होंने सत्र की शुरुआत मई में दोहा डाइमंड लीग में 88 . 36 मीटर के थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहकर की। उन्होंने भुवनेश्वर में फेडरेशन कप राष्ट्रीय सीनियर एथलेटिक्स चौम्पियनशिप में भी भाग लेकर 82 . 27 मीटर के साथ स्वर्ण पदक जीता। अब वह 7 जुलाई को पेरिस डायमंड लीग में भाग लेंगे। पंचकूला में 27 जून से होने वाली राष्ट्रीय अंतर प्रांत एथलेटिक्स में वह नहीं खेलेंगे। वह यूरोप में कोच क्लाउस बर्तोनीज और फिजियो ईशान मारवाहा के साथ तीन अलग अलग स्थानों पर अभ्यास करेंगे। उन्होंने फिनलैंड के कुओर्तान में तैयारियों का आगाज किया और अब जर्मनी के सारब्रकेन जायेंगे इसके बाद वह तुर्किये में अभ्यास करेंगे और 28 जुलाई तक वहीं रहेंगे।

टीम से बाहर रहने पर शर्मिला ने कहा, वह मुश्किल समय था लेकिन मैं मानसिक रूप मजबूत रही

युवा फारवर्ड शर्मिला देवी का मानना छ्है कि खुद को बेहतर बनाने की चाहत ने उन्हें भारतीय महिला हॉकी टीम में वापसी करने में मदद की और वह अपने खेल में निरंतरता बनाए रखने के लिए कड़ी मेहनत करना जारी रखेंगी। हरियाणा की इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने इस साल फरवरी में चीन के खिलाफ एफआईएच हॉकी प्रो लीग मैच के साथ करीब नौ महीने बाद भारतीय टीम में वापसी की। हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति में शर्मिला के हवाले से कहा गया, "यह आसान नहीं था। मुझे करीब नौ महीने तक राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने का मौका नहीं मिला।'' उन्होंने कहा, "ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला (मई 2023) के बाद मुझे फरवरी 2024 में एफआईएच हॉकी प्रो लीग में राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने का मौका मिला लेकिन मैं एशियाई खेलों और ओलंपिक क्वालिफायर से चूक गई। वह मुश्किल समय था लेकिन मैं मानसिक रूप से मजबूत रही और कड़ी ट्रेनिंग करते हुए धैर्यपूर्वक अपने मौके का इंतजार किया।'' शर्मिला ने कहा "मैंने दिन-रात अपने खेल पर काम किया। मैं इस बात को लेकर बहुत स्पष्ट थी कि वापसी का यही एकमात्र रास्ता है और मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ देना होगा। फारवर्ड के रूप में अपने कौशल पर काम करने के अलावा मैंने रक्षात्मक पहलुओं पर भी काम किया।'' जब भारत ने एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023–24 के अपने पहले मैच में चीन का सामना किया तो शर्मिला को आखिरकार मैदान पर उतरने का मौका मिला। उन्होंने कहा, "मैं एक बार फिर भारतीय जर्सी पहनकर बहुत उत्साहित थी। यह मेरे द्वारा की गई मेहनत का इनाम था। अगर हम वह मैच जीत जाते तो मुझे बहुत खुशी होती लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हो सका।

फ्रांस ने ऑस्ट्रिया को 1-0 से हराया, किलियन एमबापे की नाक में लगी चोट

मैक्सिमिलियन वोबर के आत्मघाती गोल की मदद से फ्रांस ने यूरोपीय फुटबाल चौंपियनशिप में ऑस्ट्रिया को 1–0 से पराजित किया लेकिन इस मैच में उसके स्टार स्ट्राइकर काइलिन एमबापे की नाक में चोट लग गई और उनका टूर्नामेंट में आगे खेलना संदिग्ध है। एमबापे ग्रुप डी के इस मैच के अंतिम क्षणों में गेंद पर नियंत्रण बनाने के प्रयास में ऑस्ट्रिया के केविन डांसोसे टकरा गए। इससे उनकी नाक से खून बहने लगा और वह सूज गई। एमबापे को इस कारण मैदान छोड़ना पड़ा। फ्रांस के कोच डिडिएर डेसचौम्प्स ने एमबापे के आगे के मैचों में खेलने के संबंध में कहा,"अभी हमारे हाथ में कुछ नहीं है। अभी हमें यह पता नहीं है कि उनकी चोट कितनी गंभीर है। वह टूर्नामेंट में आगे खेल पाएंगे या नहीं अभी इसका जवाब मेरे पास नहीं है।'' फ्रांस के मिडफील्डर एनगोलो कांटे ने कहा,"एमबापे के चोटिल हो जाने से हम सभी चिंतित हैं। हमें पता नहीं है कि स्थिति अभी कैसी है। हम यही उम्मीद कर रहे हैं कि चोट गंभीर न हो और वह बाकी टूर्नामेंट के लिए टीम में बने रहें। '' चोटिल होने से पहले एमबापे पर सभी की निगाह टिकी थी। ऑस्ट्रिया ने उन्हें खुलकर नहीं खेलने दिया, लेकिन टीम को जीत दिलाने में उन्होंने अपनी भूमिका निभाई।। वोबर ने 38वें मिनट में एमबापे का शॉट रोकने के प्रयास में ही आत्मघाती गोल किया जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ। इससे डेसचौम्प्स ने फ्रांस का कोच रहते हुए जीत का शतक भी पूरा किया। फ्रांस ने अभी तक दो बार यूरोपीय चौंपियनशिप जीती है लेकिन उसे 2000 के बादअपने पहले खिताब का इंतजार है। रोमानिया इस ग्रुप में शीर्ष पर है। उसने एक अन्य मैच में यूक्रेन को 3–0 से हराया जो उसकी यूरोपीय चौंपियनशिप में पिछले 24 वर्षों में पहली जीत है।

पावो नूरमी खेलों से ओलंपिक की तैयारियों की शुरुआत करेंगे नीरज चोपड़ा

तुर्कू। मामूली चोट से उबरने के लिए कुछ समय तक आराम करने वाले ओलंपिक और विश्व चौंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा मंगलवार को यहां पावो नूरमी खेलों में भाग लेकर पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए अपनी तैयारियों की शुरुआत करेंगे। चोपड़ा इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं। इस 26 वर्षीय खिलाड़ी को जर्मनी के किशोर एथलीट मैक्स डेहनिंग की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। जो 90 मीटर तक भाला फेंकने वाले खिलाड़ियों की सूची में सबसे युवा खिलाड़ी हैं। इस 19 वर्षीय खिलाड़ी को ओलंपिक में चोपड़ा के लिए कड़ा प्रतिस्पर्धी माना जा रहा है।

भारत सहित ये टीमें कर चुकी हैं 2026 विश्व कप के लिए क्वालिफाई

नई दिल्लीं इस बार की तरह ही 2026 टी20 विश्व कप में भी 20 टीमें हिस्सा लेंगी और एक बार फिर दो देशों में इस टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा। टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली 12 टीमों का चयन तो हो गया है, लेकिन शेष आठ टीमें क्षेत्रीय क्वालीफायर्स के जरिये टूर्नामेंट में प्रवेश करेंगी। अमेरिका और वेस्टइंडीज में हो रहे टी20 विश्व कप का ग्रुप चरण समाप्त हो गया है और शीर्ष आठ टीमें सुपर आठ चरण के लिए तैयारियां कर रही हैं। अभी मौजूदा विश्व कप समाप्त भी नहीं हुआ है, लेकिन 2026 टी20 विश्व कप के लिए टीमों का चयन होना भी तय हो गया है। कुल 12 टीमें ऐसी हैं जो दो साल बाद होने वाले इस वैश्विक टूर्नामेंट के लिए अपना स्थान पक्का कर चुकी हैं जिसमे भारत भी शामिल है। भारत–श्रीलंका करेंगे मेजबानी दो साल होने वाले टी20 विश्व कप की मेजबानी भारत और श्रीलंका को सौंपी गई है। श्रीलंका का मौजूदा विश्व कप में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और टीम ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ सकी, लेकिन मेजबान होने के नाते वह क्वालिफाई करने में सफल रही है। दूसरी ओर, भारत का प्रदर्शन टी20 विश्व कप के ग्रुप चरण में अच्छा रहा और टीम शीर्ष पर रहकर सुपर आठ चरण में जगह बनाने में सफल रही। हालांकि, भारत ने भी मेजबान होने के नाते 2026 में होने वाले टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई किया है। अफगानिस्तान–अमेरिका ने भी किया क्वालिफाई अमेरिका और अफगानिस्तान की टीमें भी सीधे क्वालिफाई करने में सफल रही हैं। इन दोनों टीमों ने मौजूदा विश्व कप में अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है और सुपर आठ में प्रवेश करने के

कारण अफगानिस्तान और अमेरिका ने 2026 टी20 विश्व कप के लिए क्वालिफाई किया है। सुपर आठ में पहुंचने के कारण ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज की टीमें भी क्वालिफाई करने में सफल रही हैं। रैंकिंग के आधार पर पहुंचे न्यूजीलैंड–पाकिस्तान एक तरफ जहां अमेरिका और अफगानिस्तान जैसी टीमों ने अपने प्रदर्शन के दम पर 2026 टी20 विश्व कप के लिए क्वालिफाई किया, वहीं न्यूजीलैंड और पाकिस्तान की टीमों ने टी20 रैंकिंग के आधार पर 2026 में होने वाले टूर्नामेंट में जगह सुनिश्चित की। न्यूजीलैंड और पाकिस्तान का प्रदर्शन मौजूदा टी20 विश्व कप में निराशाजनक रहा था और दोनों ही टीमें सुपर आठ चरण के लिए क्वालिफाई नहीं कर सकी थीं।

रमन टीम इंडिया के कोच बनने की रेस में गौतम गंभीर को दे रहे टक्कर

रमन एक पूर्व भारतीय ओपनर बल्लेबाज हैं। उनका प्रथम श्रेणी करियर 1982 से 1999 तक चला, जहां उन्होंने तमिलनाडु का प्रतिनिधित्व किया। वे तमिलनाडु के लिए एक बेहतरीन रन स्कोरर थे।

भारतीय क्रिकेट टीम को जल्द ही नया हेड कोच मिलने वाला है। वहीं इस पद की रेस में पूर्व बल्लेबाज गौतम गंभीर सबसे आगे चल रहे हैं। बीसीसीआई की क्रिकेट एडवाइजरी कमिटी ने मंगलवार को उनका इंटरव्यू लिया। इसके साथ खबर सामने आई कि डब्ल्यूवी रमन का भी इंटरव्यू लिया गया। जिसके बाद कहा जा रहा है कि, इस पद के लिए गौतम गंभीर को रमन कड़ी टक्कर दे रहे हैं। तो चलिए आपको बताते हैं कि आखिर डब्ल्यूवी रमन कौन हैं? चेन्नई के रहने वाले रमन एक पूर्व भारतीय ओपनर बल्लेबाज हैं। उनका प्रथम श्रेणी करियर 1982 से 1999 तक चला, जहां उन्होंने तमिलनाडु का प्रतिनिधित्व किया। वे तमिलनाडु के लिए एक बेहतरीन रन स्कोरर थे। उन्होंने 7939 प्रथम श्रेणी रन बनाए। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1988–89 के सत्र में आया जब उन्होंने 1018 रन बनाए, जो उस समय का रिकॉर्ड था। इसे अबतक केवल 15 अन्य बल्लेबाजों ने पार किया है। उस पत्र में रमन ने दो दोहरे शतक और एक तिहरा शतक लगाया था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रमन की शानदार शुरुआत अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रमन की शुरुआत बेहतरीन रही। उन्होंने चेन्नई में अपने घरेलू मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने पहले ही मैच में 83 रन बनाए और एक विकेट भी झटका। 1992 में वे दक्षिण अफ्रीका में वनडे शतक बनाने वाले पहले भारतीय बने। हालांकि, उनका अंतर्राष्ट्रीय करियर केवल 28 मैचों का रहा। उन्होंने 11 टेस्ट में 24. 89 के औसत से 448 रन बनाए। 96 उनका सर्वोच्च स्कोर रहा है। उन्होंने 4 अर्धशतक जड़े, 27 वनडे में 23.73 के औसत से 617 रन बनाए। टेस्ट और वनडे दोनों में 2–2 विकेट लिए। वहीं बता दें कि, रमन का अंतरराष्ट्रीय करियर भले ही छोटा रहा हो, लेकिन रमन लंबे समय से भारतीय कोचिंग सर्किट में हैं।

विराट कोहली को दिग्गज वेस हॉल से मिला खास तोहफा, कहा– तुम 80 पर हो, 100 शतक बनाओ

वहीं बारबाडोस के पूर्व कैरेबियाई क्रिकेटर और सर की उपाधि से नवाजे जा चुके वेस हॉल (वेस्ले विनफील्ड हॉल) ने विराट कोहली से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कोहली पर खूब प्यार लुटाया और उन्हें खास तोहफा भी दिया। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है।

भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज विराट कोहली की फैन फॉलोइंग महज आम इंसानों तक सीमित नहीं है। कोहली के कई क्रिकेट दिग्गज भी फैन हैं। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 में सुपर 8 मैचों में हिस्सा लेने के लिए टीम इंडिया अमेरिका से कैरेबियाई धरती पर पहुंच गई है। जहां उसे बारबाडोस में अफगानिस्तान के खिलाफ 20 जून को अपना मुकाबला खेलना है।

इस दौरान टीम इंडिया जमकर प्रैक्टिस कर रही है। वहीं बारबाडोस के पूर्व कैरेबियाई क्रिकेटर और सर की उपाधि से नवाजे जा चुके वेस हॉल (वेस्ले विनफील्ड हॉल) ने विराट कोहली से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कोहली पर खूब प्यार लुटाया और उन्हें खास तोहफा भी दिया। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। 86 साल के सर वेस हॉल ने वेस्टइंडीज के लिए 48 टेस्ट मैच खेले हैं, और इस दौरान उन्होंने कुल 192 विकेट भी चटकाए हैं। सर वेस हॉल अपने समय के जाने–माने तेज गेंदबाज रहे हैं। बैटिंग में वो एक टेस्ट पचासा भी ठोक चुके हैं। सर वेस हॉल ने विराट कोहली से कहा कि वो उनके स्टैट्स के बारे में भी जानते हैं। सर वेस हॉल ने विराट से कहा कि, मैं तुम्हारे स्टैट्स को फॉलो करता हूं, तो मैं जानता हूं कि तुम 80 पर हो, 100 शतक पूरे करो। विराट कोहली ने इस पर हंसकर उन्हें जवाब में हां कहा। इस दौरान सर वेस हॉल ने कोहली को अपनी किताब भी तोहफे में दी। टी20 वर्ल्ड कप 2024 का लीग राउंड विराट कोहली के लिए कुछ खास नहीं रहा। भारत ने तीन मैच न्यूयॉर्क में खेले और न्यूयॉर्क की पिच विराट को जरा भी रास नहीं आई, वो तीनों मैचों में एक बार भी दहाई के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाए। टीम इंडिया को अपना पहला सुपर 8 का मुकाबला बारबाडोस में 20 जून को अफगानिस्तान के खिलाफ खेलना है। इसके बाद टीम 22 जून को एंटीगा में बांग्लादेश से भिड़ेगी। इसके बाद सुपर 8 का अपना आखिरी मुकाबला टीम इंडिया 24 जून को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगी। ये मैच सेंट लूसिया में खेला जाएगा।

तेजी के साथ बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स 77301 के स्तर जबकि निफ्टी 23,500 के पार

मुंबई। शेयर बाजार आज यानी 18 जून को हरे निशान पर बंद हुआ। सेंसेक्स 308 अंकों की बढ़त के साथ 77,301 के स्तर पर जबकि निफ्टी में भी 92 अंकों की बढ़त रही, ये 23,557 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान शेयर बाजार ने आज नया ऑल टाइम हाई बनाया। सेंसेक्स ने कारोबार के दौरान 374 अंक चढ़कर 77,366 का स्तर छुआ। वहीं निफ्टी भी 23,579 के रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गया। आज के कारोबार में आईटी और एनर्जी

शेयर्स में सबसे ज्यादा तेजी है। निफ्टी आईटी इंडेक्स 0.83: चढ़ा है। बैंक और रियल्टी इंडेक्स में भी करीब आधा फीसदी की तेजी है। मीडिया, मेटल और फार्मा इंडेक्स में गिरावट है। ऑयल एंड गैस और हेल्थकेयर भी नीचे हैं। अमेरिकी बाजार सोमवार को ऑल टाइम हाई पर पहुंचा। डॉओ जोन्स 0.49: की तेजी के साथ 38,778 पर बंद हुआ। वहीं एस–एसपी भी 0.77: चढ़कर 5,473 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 22 शेयरों में खरीदारी और 8 में बिकवाली है। वहीं निफ्टी 50 के 40 शेयरों में खरीदारी और 10 शेयरों में बिकवाली है। ज्यादातर सेक्टर मजबूती के साथ कारोबार कर रहे हैं। आईटी में 0.83: की तेजी रही। वहीं कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.65: और मेटल 0.59: ऊपर है। इससे पहले लगातार 3 दिन बाजार बंद रहा था। शनिवार और रविवार के अलावा सोमवार को बकरीद पर भी शेयर बाजार में कारोबार नहीं हुआ था। वहीं इससे पहले शुक्रवार को 14 जून को भी निफ्टी ने ऑल टाइम हाई बनाया था।

हीटवेव के कारण आलू–प्याज के बाद अब टमाटर की बढ़ी कीमतें

मुंबई। कुछ दिन पहले प्याज की बढ़ती कीमतों को लेकर खबरें आई थीं, अब टमाटर की कीमत में इजाफे को लेकर खबरें आ रही हैं। देश के कई हिस्सों में टमाटर के भाव दो से तीन हफ्तों में दोगुने से ज्यादा हो गए हैं। टमाटर की कीमत में ये बढ़ोतरी महाराष्ट्र और दक्षिणी राज्यों कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, कमी के कारण कीमतें आमतौर पर बढ़ जाती हैं।सरकारी पोर्टल, एगमार्कनेट के आंकड़ों के अनुसार, दक्षिणी राज्यों में टमाटर की औसत थोक कीमतें 35 रुपए से 50 रुपए प्रति किलोग्राम के बीच हैं, जबकि कर्नाटक के कुछ बाजारों में टमाटर की कीमतें 60 रुपए तक पहुंच चुकी हैं। एगमार्कनेट डेटा से यह भी पता चलता है कि पिछले दो–तीन हफ्तों के दौरान और एक साल पहले की तुलना में कीमतें लगभग दोगुनी हो गई हैं। बेंगलुरु में रविवार को टमाटर रिटेल में 80 प्रति किलो बिक रहा था। महाराष्ट्र के नासिक जिले में पिंपलगांव एपीएमसी के एक अधिकारी सचिन पाटिल ने मीडिया रिपोर्ट में कहा कि इस साल लंबे समय तक तापमान 42–44 डिग्री सेल्सियस रहा, जिससे फूल और फल खराब हो गए जिसके असर से प्रोडक्शन पर असर देखने को मिला है।

तमिलनाडु और केरल में देखने को मिली है, जिसका कारण भीषण गर्मी और प्रोडक्शन कम होना बताया जा रहा है। इन राज्यों के थोक बाजारों में टमाटर की औसत कीमत 40–50 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है। हालांकि, भीषण गर्मी के कारण तेजी से पकने वाले टमाटरों की अधिक सप्लाई की वजह से उत्तर भारत के राज्यों में टमाटर के दाम में कोई इजाफा देखने को नहीं मिला है। जुलाई में स्थिति मुश्किल हो सकती है जब सप्लाई की उत्तर भारत में कीमतें अभी भी कंट्रोल में है। इसका कारण बताते हुए उन्होंने कहा कि टमाटर पौधों पर तेजी से पक रहे हैं, क्योंकि उत्तरी राज्य अभी भी गर्मी की लहरों के प्रभाव में हैं, जिससे किसानों को उनकी कटाई करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है और इस तरह बाजार में सप्लाई बढ़ रही है। पके फलों की शेल्फ लाइफ कम होने के कारण थोक बाजार में उनकी मांग आमतौर पर कम होती है।

सम्पादकीय........

ईवीएम पर बढ़ता संदेह

दुनिया के सबसे बड़े कारोबारियों में से एक एलन मस्क ने दुनिया भर के उन देशों के राजनेताओं की नींदें उड़ा दी हैं जहां पर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) के जरिये मतदान होता है। भारत में इसे लेकर सर्वाधिक बवाल मचना इसलिये लाजिमी है क्योंकि इसे लेकर सबसे ज्यादा विवाद यहीं हुआ है। यहां तो केन्द्र के साथ अनेक राज्यों में सत्ता पर काबिज भारतीय जनता पार्टी पर आरोप है कि उसने बड़े पैमाने पर ईवीएम को हैक कर अपने पक्ष में जनादेश पाये हैं। पिछले कई विधानसभा चुनावों के साथ कहा जाता है कि अभी हाल में हुए लोकसभा चुनाव भी भाजपा ने बड़े पैमाने पर इसके माध्यम से जीता है। यह विवाद 2019 के आम चुनाव के तुरन्त बाद से ही सुप्रीम कोर्ट तो पहुंचा था लेकिन उस पर गम्भीर व प्रदीर्घ सुनवाई चुनाव के आते–आते ही हुई थी। जब निर्णय पहले चरण के मतदान के बाद बाद आया तभी यह साफ हो गया था कि फिलहाल देश के चुनाव इसी पद्धति से होंगे, न कि बैलेट पेपर के जरिये जिसकी मांग की जाती रही है। शीर्ष कोर्ट ने यह भी नहीं माना कि शत–प्रतिशत वीवीपैट से वोटों का मिलान किया जाये क्योंकि सरकार की दलील थी कि इस तरीके से (मतपत्रों को गणना) परिणाम आने में बहुत देर लगेगी। वैसे ईवीएम को लेकर कई सिविल सोसायटियों, वरिष्ठ वकीलों एवं कुछ राजनीतिक दलों ने भी आवाजें उठाई थीं। जो भाजपा 2014 के पहले तक इसके खिलाफ थी, वह अब इसकी सबसे मजबूत पक्षधर है और यहां तक कि उसके साथ हर कदम पर खड़ा दिखाई देने वाला केन्द्रीय चुनाव आयोग तक इसके खिलाफ कुछ भी सुनने को तैयार नहीं है। बहरहाल, इस मामले के फिर से उठने का कारण एलन मस्क द्वारा अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर के उस पोस्ट को रिट्विट करना है जिसमें प्यूर्टो रिको में ईवीएम के माध्यम से हुए चुनाव में बहुत सी अनियमितताओं का हवाला दिया गया है। मस्क ने यह कहकर इसके इस्तेमाल पर प्रतिबन्ध लगाने का सुझाव दिया है कि कोई भी मशीन हैक की जा सकती है। उनका यह भी कहना है कि जोखिम चाहे छोटा ही क्यों न हो, वह है ही। भारत जैसे बड़े देश में इस खतरे का आकार और भी बड़ा हो जाता हैय फिर मामला ऐसे चुनाव का हो जिसमें देश को चलाने वाली सरकार के सही या गलत तरीके से बनने का है, तो इसे कतई नजरंदाज नही किया जाना चाहिये। वैसे अनुमानों के मुताबिक यह मामला उठते ही इस पर फिर से सियासी जंग देश के अंदर छिड़ गयी है। भाजपा की पिछली सरकार में केन्द्रीय मंत्री रहे राजीव चंद्रशेखर ने तो मस्क को भारत आकर कुछ सीखने की सलाह देते हुए कहा कि यहां की ईवीएम मशीनों की बाहर से कोई कनेक्टिविटी नहीं है अतरू उनके हैक होने का सवाल ही नहीं है।श उनका यह भी दावा है कि फैक्ट्री के स्तर पर ही प्रोग्राम की हुई ईवीएम को रिप्रोग्राम नहीं किया जा सकता। मस्क के इस कथन पर कि सब तुछ हैक किया जा सकता है, चंद्रशेखर ने कहा कि कैलकुलेटर या टोस्टर को हैक नहीं किया जा सकता। उनका यह प्रत्युत्तर तो बेहद बचकाना है लेकिन ईवीएम के बचाव में कई भाजपा नेता ही नहीं, उसके नेतृत्व में बने नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस के अनेक घटक दल के नेता गम्भीरता से पलटवार कर रहे हैं मानो मस्क ने उनके खिलाफ बयान दिया हो। समाजवादी पार्टी के नेता व सांसद अखिलेश यादव ने कह दिया कि यदि प्रौद्योगिकी समस्या हो तो उसका इस्तेमाल बन्द होना चाहिये, वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस मशीन की तुलना हवाई जहाज के श्ब्लैक बॉक्सश से करते हुए कहा है कि इसकी जांच करने से सब साफ हो जायेगा (जैसे ब्लैक बॉक्स की जांच से दुर्घटना के कारणों का पता चलता है)। इसके जवाब में महाराष्ट्र के सीएम व शिवसेना (शिंदे गुट) के नेता एकनाथ शिंदे ने कहा है कि अगर मशीनों में गड़बड़ी है तो राहुल इस्तीफा दें। दूसरी तरफ, चुनाव के पहले कांग्रेस का साथ छोड़ने वाले संजय निरूपम ने कहा कि यदि मशीनों को हैक किया जा सकता था तो राहुल एक भी जगह से चुनाव नहीं जीतते और न ही भाजपा 240 सीटों पर ठहरती। वैसे इस विवाद के फिर से सुलगने का एक कारण महाराष्ट्र से उठ खड़ा हुआ है। आरोप है कि यहां मुंबई की उत्तर पश्चिम सीट से शिवसेना शिंदे गुट के उम्मीदवार के एक रिश्तेदार ने 4 जून (चुनावी नतीजों के दिन) को मतगणना के दौरान एक ऐसे मोबाइल फोन का इस्तेमाल किया था जो कि ईवीएम से जुड़ा था। हालांकि इसके बारे में कोई पुष्टि नहीं हो सकी है और वहां की निर्वाचन अधिकारी ने साफ कह दिया है कि ऐसा सम्भव ही नहीं है। जो भी हो, अगले लोकसभा चुनाव में 5 वर्षों का समय है और उसके पूर्व कई राज्यों के चुनाव होंगे जिनमें से कुछ में इसी वर्ष होने जा रहे हैं। मस्क के बयान को ऐसे व्यक्ति के कथन के रूप में लिया जाना चाहिये।

नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा पाकिस्तान

–राजेश माहेश्वरी

> *स्थानीय सूचनाओं और गतिविधियों की सूत्रधार स्थानीय पुलिस रही है। ऐसी तमाम एजेंसियों को एक सर्कुलर के जरिए निर्देश और आदेश दिए जा सकते थे। उपराज्यपाल के जरिए केंद्र सरकार अपना आदेश दे सकती है।*

जम्मू–कश्मीर में बीते तीन दिन में एक के बाद एक आतंकी घटनाओं ने सीमा पार से हो रही घुसपैठ के खतरों की ओर फिर से आगाह किया है। आगामी दिनों में विधानसभा चुनावों की तैयारी के बीच ये आतंकी हमले बताते हैं कि आतंकी संगठन जम्मू–कश्मीर में आम लोगों में खौफ पैदा करने में जुटे हैं। डोडा में आतंककारियों ने सेना की चौकी पर हमला कर दिया। यह कठुआ में आतंकियों की गोलीबारी में एक जने की मौत और दो अन्य के घायल होने के कुछ घंटों बाद ही हुआ। वहीं तीन दिन पहले ही आतंककारियों ने तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस पर कायराना हमला किया था। करीब छह साल से लोकतांत्रिक सरकार का इंतजार कर रहे कश्मीर में लोकसभा चुनावों के दौरान मतदाताओं ने जिस तरह का उत्साह दिखाया, उससे भी आतंकी संगठन और उनके आका बौखलाए हुए हैं। अचानक आतंकी हमले बढने के मद्देनजर कुछ सवाल सटीक और गंभीर हैं। क्या पाक परस्त आतंकवाद कश्मीर घाटी से जम्मू के राजौरी, पुंछ, डोडा आदि क्षेत्रों में शिफ्ट हो गया है? क्या वहां के घने जंगल आतंकियों की पनाहगाह हैं और वहां की पर्याप्त खुफिया सूचनाएं नहीं मिल पा रही हैं? क्या भारत में तीसरी बार मोदी सरकार बनने से पाकिस्तान, खुफिया एजेंसी आईएसआई और आतंकवादी गुट बौखलाहट में हैं? जम्मू–कश्मीर के सुरक्षा–हालात पर प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ने जो शीर्ष बैठकें की हैं, वे बेमानी नहीं हैं, लेकिन उन्हीं से पाकपरस्त आतंकवाद को कुचला और जड़ से उखाड़ा नहीं जा सकता। कश्मीर घाटी और अन्य राज्यों में सक्रिय आतंकवाद या उग्रवाद के उदाहरण हमारे सामने हैं। सेना, सुरक्षा बलों, पुलिस और स्थानीय गुप्तचरों के साझा ऑपरेशन कई साल तक चलाने पड़े, तो आज घाटी लगभग आतंकवाद–मुक्त है। हम इन बैठकों को खारिज नहीं करते, क्योंकि कई विचार सामने आकर साझा किए जा सकते हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय सीमा, नियंत्रण–रेखा से जम्मू–कश्मीर की जमीन तक जो सेना सक्रिय रही है, उसके समानांतर सुरक्षा–बल तैनात और सक्रिय रहे हैं। स्थानीय सूचनाओं और गतिविधियों की सूत्रधार स्थानीय पुलिस रही है। ऐसी तमाम एजेंसियों को एक सर्कुलर के जरिए निर्देश और आदेश दिए जा सकते थे। उपराज्यपाल के जरिए केंद्र सरकार अपना आदेश दे सकती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने पहले कार्यकाल में पाकिस्तान की तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ाया था, लेकिन वर्ष 2016 में उड़ी हमले के बाद सर्जिकल स्ट्राइक और वर्ष 2019 को पुलवामा हमले के बाद पाकिस्तान के भीतरी इलाकों में हवाई हमले की अनुमति देकर प्रधानमंत्री मोदी ने साफ कर दिया कि वार्ता और आतंकवाद साथ–साथ नहीं चल सकते। सिर्फ यही नहीं, पाकिस्तान के साथ व्यापार को भी बंद किया गया और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान को अलग–थलग कर दिया गया। सऊदी अरब समेत लगभग सभी खाड़ी देश पाकिस्तान के बजाय भारत को प्राथमिकता देने लगे। इससे हताश पाकिस्तानी सेना और उसकी खुफिया एजेंसी आइएसआइ ने कश्मीर को अशांत बनाए रखने के लिए पूरा जोर लगाया, लेकिन अनुच्छेद 370 हटने के बाद हालात बेहतर होते चले गए। आतंकियों पर सुरक्षाबलों का शिकंजा भी कसता गया। इससे बौखलाए पाकिस्तान ने पहले जम्मू संभाग के सीमावर्ती पुंछ और राजौरी जिलों में कई बड़े हमले किए और अब तीसरी बार भी मोदी सरकार बनते देख पाकिस्तान परस्त आतंकियों ने जम्मू के रियासी, कठुआ और डोडा में हमलों को अंजाम दिया। जम्मू संभाग के राजौरी, पुंछ, कठुआ, डोडा से किश्तवाड़ तक आईबी गुप्तचर की सूचनाएं इतनी सटीक नहीं हो सकतीं, जितनी एक स्थानीय जासूस की गुप्तचरी सटीक हो सकती है और लक्ष्य तक पहुंचना आसान हो सकता है। जम्मू में खुफिया–तंत्र की कमियां अब भी महसूस की जा रही हैं। वैसे जम्मू संभाग में आतंकी हरकतें अचानक नहीं बढ़ी हैं। ये आतंकियों की रणनीति हो सकती हैं। अलबत्ता 1990–2005 के सालों में जम्मू के घने जंगलात में आतंकी गतिविधियां और हमले निरंतर देखने को मिलते रहे। यह दीगर है कि घुसपैठ, गिरोहबाजी, अलगाववाद और पाक परस्त आतंकवाद विरोधी ऑपरेशन और अभियान कश्मीर घाटी में ज्यादा किए जाते रहे। तब जम्मू को आतंकवाद–मुक्त करा लिया गया था। अब नए सिरे से आतंकियों ने अपने नेटवर्क जम्मू में फैलाए हैं और अचानक हमले बढ़ा दिए गए हैं। जम्मू–कश्मीर में आतंकवाद नगण्य है। फिर भी 2024 में अभी तक 20 आतंकी हमले किए जा चुके हैं और 13 जून तक 42 नागरिकों और जवानों ने अपनी जिंदगी खोई है। भारत ऐसा नुकसान भी क्यों झेले? बहरहाल केंद्र सरकार से जो निर्देश मिले हैं, उनके मद्देनजर जम्मू–कश्मीर पुलिस महानिदेशक स्वैन का दावा है कि अब बचे–खुचे आतंकवाद को कुचल दिया जाएगा, मसल दिया जाएगा, घर–घर ढूंढ कर चुन–चुन कर मौत के घाट उतार दिया जाएगा। आतंकियों को सीमा पार से मिल रही मदद का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इन दिनों सुरक्षाबलों को मुठभेड़ में मारे गए आतंकी के पास बड़ी संख्या गोला–बारूद, पाकिस्तान में बनी चॉकलेट और दवाइयां बरामद हुए हैं। इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि घुसपैठ कर हमारी सीमा में घुस आए आतंकियों के स्थानीय मददगार भी कम नहीं हैं। हमारे जवानों की शहादत भी इसलिए हो जाती है क्योंकि आतंकियों के इन मददगारों की कमर अभी पूरी तरह टूटी नहीं है। अमरनाथ यात्रा और संभावित विधानसभा चुनावों को देखते हुए अतिरिक्त सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। वहीं इन हमलों का चिंताजनक पहलू यह है कि अब तक आतंकी घटनाओं का केंद्र दक्षिण कश्मीर आदि इलाके होते थे, अब की बार ये हमले जम्मू क्षेत्र में हुए हैं। जम्मू के इलाके में आतंकी घटनाओं में वृद्धि शासन–प्रशासन के लिए गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। इन हमलों में पाकिस्तान की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता। उल्लेखनीय है कि बीते 9 जून को हुए हमले की जिम्मेदारी जहां लश्कर–ए–तैयबा के आतंकी गुट टीआरएफ ने ली तो डोडा में हुए हमले की जिम्मेदारी पाक पोषित जैश–ए–मोहम्मद के एक गुट कश्मीर टाइगर्स नामक आतंकी संगठन ने ली है। बहरहाल, भारतीय सेना व सुरक्षा बल आतंकवादियों को भरपूर जवाब दे रहे हैं। लेकिन इस माह के अंत में शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा का निर्बाध आयोजन सुरक्षा बलों के लिये बड़ी चुनौती होगी। जिसको लेकर विशेष चौकसी बरतने की जरूरत है। बहरहाल हमारी सुरक्षा एजेंसियों और जवानों की अग्निपरीक्षा 'अमरनाथ यात्रा' है। यह 29 जून से शुरू हो रही है और अगले ही दिन जनरल उपेन्द्र द्विवेदी नए सेना प्रमुख का कार्यभार संभाल रहे हैं। वह कश्मीर और आतंकवाद से अनभिज्ञ, अपरिचित नहीं हैं। अमरनाथ यात्रा अगस्त तक जारी रहेगी। आतंकी हमला करने की फिराक में होंगे और हमारी सुरक्षा एजेंसियों ने फुलप्रूफ योजना बनाई होगी। यात्रा के चप्पे–चप्पे पर 500 कंपनियों के जवान तैनात किए जा रहे हैं। खुफिया सूचनाओं पर तुरंत कार्यवाही की जा रही है। खासकर टीआरएफ आतंकी संगठन के साथ–साथ लश्कर–ए–तैयबा, जैश–ए–मुहम्मद के दहशतगर्दों पर भी निगाहें चिपकी रहेंगी। इस बार प्रशासन ने प्रत्येक तीर्थयात्री का 5 लाख रुपए का बीमा भी किया है। जम्मू–कश्मीर और आतंकवाद के संदर्भ में हमारे उन अनुभवी जनरलों की सोच कुछ भिन्न है, जो दशकों तक कश्मीर में कार्यरत रहे हैं और आतंकियों को ढेर किया है। वे जनरल हालिया आतंकी हमलों से क्षुब्ध हैं, क्योंकि आतंकियों ने उस दिन हमला करके भारत के गाल पर तमाचा मारा था, जब देश की सरकार शपथ ले रही थी। अब ऐसे रक्षा विशेषज्ञों की राय है कि पाकिस्तान के साथ जो युद्ध विराम किया हुआ है, तुरंत उस समझौते को रद्द किया जाए। यह युद्धविराम एकतरफा और बेमानी है, क्योंकि पाकिस्तान आतंकियों की घुसपैठ कराता रहा है। आतंकियों को हथियार भी मुहैया कराता है। पाकिस्तान फिलहाल फटीचर देश की स्थिति में है। उसकी फौज पर निरंतर हमले करेंगे, तो उसकी फौज ही विकलांग हो जाएगी। वह पलटवार करने लायक भी नहीं रहेगी। –लेखक राज्य मुख्यालय पर मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।

गद्दी से प्यार, जनादेश से तकरार!

राजेंद्र शर्मा

कहावत है,पूत के पांव पालने में ही दीख जाते हैं। आम चुनाव के नतीजे आने के बाद गुजरे करीब दो सप्ताहों में ही, नरेंद्र मोदी की सरकार ने एक के बाद एक, इसके काफी संकेत दे दिए हैं कि, नयी मोदी सरकार, पिछली मोदी सरकार का ही अगला संस्करण साबित होने जा रही है। बेशक, इसका सबसे बड़ा संकेत तो तभी मिल गया था, जब प्रधानमंत्री के साथ उनके लगभग पूरे मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण में, सहयोगी पार्टियों को अपेक्षाकृत सस्ते में निपटा दिया गया। हालांकि, मोदी की भाजपा भी इससे इंकार नहीं कर सकती है कि इस बार जनादेश, साफ तौर पर एक वास्तविक गठबंधन सरकार के पक्ष में यानी ऐसी सरकार के लिए है जिसका अस्तित्व गठबंधन के कायम रहने न रहने पर निर्भर होगा, फिर भी सहयोगी पार्टियों को उनकी संख्ङ्खया के अनुपात से काफी कम, पांच कैबिनेट मंत्रिपदों समेत, कुल 11 मंत्रिपदों में निपटा दिया गया। बाद में इसी सिलसिले को और आगे बढ़ाते हुए गृह, वित्त, रक्षा व विदेश ही नहीं, शिक्षा, रेल, स्वास्थ्य, कृषि, वाणिज्य, कानून आदि, प्रायरू सभी वजनदार मंत्रालय भाजपा के हाथों में ही रखते हुए, न सिर्फ सहयोगी पार्टियों को सस्ते में निपटा दिया गया बल्कि मंत्रिमंडल के बड़े हिस्से में जिम्ङ्खमेदारियां पिछली सरकार वाली ही बनाए रखते हुए, सचेत रूप से यह संदेश देने की कोशिश की गयी कि प्रधानमंत्री मोदी ही नहीं, पूरी सरकार ही पहले वाली ही है। इसी संदेश को और आगे बढ़ाते हुए, मंत्रिपरिषद में विभागों के वितरण के फौरन बाद, अजीत डोभाल को एक बार फिर पांच साल के लिए राष्टङ्खीय सुरक्षा सलाहकार और पीके मिश्र को प्रधानमंत्री का प्रिंसिपल सेक्रेटरी बना दिया गया। ये दोनों वरिष्ठङ्ख नौकरशाह, 2014 से ही नरेंद्र मोदी निजाम महत्वपूर्ण हिस्सा रहे हैं। वास्तव में नरेंद्र मोदी, इस चुनाव के नतीजे आने के बाद से ही, चुनावी जनादेश के इस बुनियादी सच को छुपाने, दबाने, मिटाने की कोशिशों में ही लगे रहे हैं कि इस बार जनता का फैसला, 2014 और 2019 के उसके फैसले से गुणात्मक रूप से भिन्न है, जब जनता ने भाजपा को अकेले ही बहुमत दिया था और इसी के दूसरे पहलू के तौर पर, विपक्ष की ताकत को काफी कमजोर बनाए रखा था। बेशक, 2014 और 2019 के चुनाव के बाद भी एनडीए के नाम पर मोदी की भाजपा ने प्रमुख सहयोगी पार्टियों को सत्ता में थोड़ी–बहुत हिस्सेदारी देना मंजूर किया था, लेकिन यह मोदी की भाजपा के छोटा सा हिस्सा देना मंजूर करने की कार्यनीति अपनाने का ही मामला था, जो इन सरकारों को अपनी प्रकृति से गठबंधन सरकार बनाने के लिए बिल्कुल नाकाफी था। हैरानी की बात नहीं है कि मोदी के दूसरे कार्यकाल तक आते–आते, एनडीए सिर्फ नाम के वास्ते ही रह गया था, वर्ना अपने पूर्व–संस्करणों के विपरीत, अब न तो एनडीए का कोई साझा कार्यक्रम था और न ही गठबंधन में चर्चा तथा निर्णय के लिए, तालमेल कमेटी जैसा कोई निकाय था। नरेद्र मोदी के दूसरे कार्यकाल में तो गठबंधन की कोई बैठक तक नहीं बुलाई गई थी। विचार और निर्णय की सारी राजनीतिक प्रक्रिया मोदी–शाह जोड़ी से शुरू होकर, उन्हीं पर खत्म हो जाती थी। स्वाभाविक रूप से अलग–अलग मुद्दों पर 2019 के चुनाव से पहले चंद्रबाबू नायडू की तेलुगू देशम्ङ्ख पार्टी, उस चुनाव के बाद उद्घव ठाकरे के नेतृत्व में शिव सेना, नये कृषि कानूनों के मुद्दे पर शिरोमणि अकाली दल, बिहार विधानसभा चुनाव के फौरन बाद चिराग पासवान के नेतृत्व वाली एलजेपी और आगे चलकर, नीतीश कुमार के नेतृत्व में जनता दल यूनाइटेड तथा अन्य कई छोटे–छोटे दलों के छिटक कर अलग हो जाने से, मोदी के दूसरे कार्यकाल के आखिर तक आते–आते, एनडीए को व्यवहार में भुलाया ही जा चुका था। विपक्ष की एकजुट होकर गठबंधन बनाने की कोशिशों के मुकाबले, अकेले भाजपा की ताकत और उससे भी बढ़कर मोदी की लोकप्रियता की ताकत का बढ़–चढ़कर प्रदर्शन होता था और एक अकेला सब पर भारी की शेखियां मारने में, खुद सुप्रीम नेता तक गर्व का अनुभव करता था। वह तो जब इंडिया के नाम से विपक्षी गठबंधन ने आकार ग्रहण करना शुरू कर दिया और इस गठबंधन की ताकत के गणित के आगे मोदी की भाजपा अपने सारे साधनों तथा हथियारों के बावजूद कमजोर दिखाई देने लगी, तब मोदी–शाह जोड़ी को एनडीए को तहखाने से निकालकर बाहर लाने की जरूरत पड़ी।

क्या सत्ता में बैठे व्यक्ति को अहंकारी होना चाहिये?

एल.एस. हरदेनिया

> *यह आरोप संघ के मुखपत्र आर्गनाइजर में संघ के प्रमुख चिंतक रतन शारदा द्वारा लगाया गया है। उनका आरोप है कि यदि नेतृत्व अहंकारी नहीं होता और अति आत्मविश्वासी नहीं होता तो भाजपा की झोली में लोकसभा की 400 सीटें आ जातीं।*

इस समय राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के द्वारा भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व पर जबरदस्त हमला हो रहा है। संघ का आरोप है कि भारतीय जनता पार्टी का नेतृत्व अत्यधिक आत्मविश्वासी और अहंकारी हो गया है। यह आरोप संघ के मुखपत्र आर्गनाइजर में संघ के प्रमुख चिंतक रतन शारदा द्वारा लगाया गया है। उनका आरोप है कि यदि नेतृत्व अहंकारी नहीं होता और अति आत्मविश्वासी नहीं होता तो भाजपा की झोली में लोकसभा की 400 सीटें आ जातीं। यद्यपि नाम नहीं लिया जा रहा है परंतु बहुत साफ है कि यह हमला प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर है। इस बात पर कोई संदेह नहीं कि किसी व्यक्ति का पद जितना ऊंचा हो उतना ही उससे यह अपेक्षा होती है कि वह उतना विनम्र और सोम्य हो। भारतीय जनता पार्टी में अटल बिहारी वाजपेयी ऐसे ही नेता थे। वे जब तक प्रधानमंत्री रहे, उन्होंने संघ से संपर्क बनाए रखा। अब हम कांग्रेस के प्रधानमंत्रियों की चर्चा करें तो प्रथम प्रधानमंत्री नेहरू जी कहीं से अहंकारी नजर नहीं आते थे। बड़े नेताओं से लेकर आम जनता तक उनका सतर्क सम्पर्क रहता था। वे जब दिल्ली में रहते थे तो रोज कम से कम 500–600 लोगों से अपने निवास–तीन मूर्ति मार्ग पर मिलते थे। उनके उत्तराधिकारी लाल बहादुर शास्त्री तो दिखने में कतई प्रधानमंत्री नहीं लगते थे। उनकी इमेज लगभग एक किसान नेता की थी। शास्त्री जी के बाद इन्दिरा जी प्रधानमंत्री बनीं। इन्दिरा जी का स्वभाव कुछ हद तक अहंकारी था परंतु राष्ट्र के हित में वे अपने अहंकार का चोला उतार फेंक देती थीं। इस संबंध में दो घटनाएं मुझे याद आ रही हैं–उत्तरप्रदेश में चुनाव होने वाले थे। उत्तरप्रदेश की राजनीति में हेमवती बहुगुणा का काफी महत्व था। चुनाव के पूर्व इन्दिरा जी और बहुगुणा में कुछ मतभेद थे। परंतु चुनाव की खातिर वे बहुगुणा से मिलने गईं और उस मुलाकात के बाद दोनों के मतभेद दूर हो गये। जब बंगलादेश का युद्ध चल रहा था तो यह आवश्यक समझा गया कि देश में सांप्रदायिक सौहाद्र बना रहे। इस काम में वे जानती थीं कि राष्ट्रीय स्वयं संघ के प्रमुख गोलवलकर की प्रमुख भूमिका हो सकती है। गोलवलकर से इन्दिरा जी के संबंध कभी मधुर नहीं थे। परंतु राष्ट्र के हितों को देखते हुए उन्होंने गुरू गोलवलकर से मधुर संबंध बनाना आवश्यक समझा। इसमें उन्होंने अटल बिहारी वायपेयी का उपयोग किया। उन्होंने वाजपेयी जी ने अनुरोध किया कि वे नागपुर जायें और गुरू जी को मेरा संदेश दें कि इस दरम्यान यदि देश में एक भी मुसलमान का एक बूंद भी खून बहा तो मेरी नाक कट जायेगी। यह काम गुरू जी ही सुनिश्चित कर सकते हैं। मैं चाहती हूं कि वे यह जिम्मेदारी पूरी संजीदगी से निभा सकते हैं। अटल बिहारी वाजपेयी नागपुर गये और इन्दिरा का यह संदेश गुरू गोलवकर को दिया। गोलवलकर जी यह संदेश पढ़कर बहुत प्रसन्न हुये और उन्होंने इन्दिरा जी से फोन पर कहा कि वह इतना ऐतिहासिक काम कर रही हैं कि उसके लिए मेरे शरीर के खून का एक–एक कतरा हाजिर है। इन संदेशों के आदान–प्रदान से हिन्दुस्तान के एक–एक नागरिक ने इन्दिरा जी के प्रति अपनी वफादारी दिखाई और भारत में पाकिस्तान के दो टुकड़े करने का ऐतिहासिक काम हासिल किया। और भी कई मौके हैं जब इन्दिरा जी ने अपने अहंकार को त्यागकर देश के हित में कई निर्णय लिये। राजनीतिज्ञ का अंहकार उसका कैसा नुकसान करता है उसका एक उदाहरण मध्यप्रदेश का है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री पंडित डी.पी. मिश्रा थे। स्वभाव से दृढ़निश्चयी। जो निर्णय ले लिया उस पर वे हर हालत में कायम रहते थे। उनके पद पर रहते हुए कांग्रेस के 36 विधायक पार्टी छोड़कर चले गये और वे गोविन्द नारायण सिंह और राजमाता के नेतृत्व में सरकार में शामिल हो गये। दल–बदल की खबरें आने लगीं। अनेक लोगों ने पंडित मिश्र से अनुरोध किया यदि वे इन लोगों से बात करके उनको मनाने की कोशिश करें तो सरकार बच जायेगी। मिश्र जी से यहां तक कहा गया कि यदि वह विधायक विश्राम गृह की गैलरी से पैदल निकल जायेंगे तो सारे विधायक उनसे मिलने के लिए आ जायेंगे और इतना करने से ही सरकार बच जायेगी। पंडित मिश्र ने कहा कि मैं कदापि इन भगोड़ो के सामने हाथ नहीं जोडूंगा। यदि मेरे कहने पर ये दलबदल नहीं करते हैं तो वे मुख्यमंत्री हो जायेंगे और मैं सड़क पर आ जाऊंगा। वे आखिर तक अपने निर्णय पर कायम रहे और विधानसभा में उनकी सरकार गिर गई।इसी तरह का मोदी जी के स्वभाव में भी अहंकार है। आर्गनाइजर में लिखते हुए श्री शारदा लिखते हैं कि नरेन्द्र मोदी आभामंडल के आनंद में डूबे रह गये और आमजन की आवाज को अनदेखा कर दिया। तो इसी तरह के स्वभाव के नतीजे में भाजपा 400 सीटों की मंजिल को प्राप्त नहीं कर सकी। यहां यह बताना आवश्यक है कि संघ का मुख्य उद्देश्य भारतवर्ष को हिन्दू राष्ट्र बनाना है।

2024 के चुनाव में जो कुछ हुआ उससे यह संभावना फिलहाल पूरी तरह समाप्त हो गई है। संघ द्वारा भाजपा में कांग्रेस के दलबदलियों को भाजपा में शामिल करने की भी सख्त आलोचना की गई है। जो लोग सतत संघ और भाजपा की आलोचना करते थे उन्हें भाजपा में शामिल करने से भारी नुकसान हुआ है। जोड़तोड़ की राजनीति संघ को नहीं आती है। कांग्रेसियों को भाजपा में शामिल करके भाजपा की छवि को खराब किया गया है, जिससे ऐसे लोग जो आरएसएस में नहीं हैं और उसके प्रति सहानुभूति रखते हैं वे भी संघ से दूर हो गये हैं। राजनीति में जो बड़े पदों पर हैं उन्हें अकबर और बीरबल के किस्सों से सबक लेना चाहिए। अकबर महान सम्राट थे परंतु वे बीरबल के समान अनेक लोगों की सलाहों को राज्यशासन के हित में मान लेते थे। इसी तरह भारतीय साहित्य की प्रमुख पुस्तक पंचतत्र में भी इस तरह के अनेक किस्से हैं–जब बड़े लोगों ने अपने अहम को त्यागा।

तलाश एक अदद हिट फिल्म की राधिका आप्टे

हाल–फिलहाल राधिका आप्टे दो अंग्रेजी फिल्मों 'सिस्टम मिडनाइट' और 'लास्ट डे' को लेकर व्यस्त हैं। इसके अलावा उनके पास कोई फिल्म शायद ही हो। खास तौर से मल्टीस्टारर फिल्म 'विक्रम वेदा' के फ्लॉप होने के बाद से हिंदी फिल्मों में उनका कैरियर स्थिर–सा हो गया है। लग तो ऐसा रहा है कि वह हिंदी फिल्मों से आउट होने की स्थिति में हैं। असल में वह उन चंद संभावनाशील तारिकाओं की श्रेणी में आती हैं, जिन्हें बॉलीवुड लगातार मौके दे रहा था। मगर अब बॉलीवुड में उनके प्रति यह विरक्ति भाव कई सवालिया निशान खड़े कर रहा है। आइए उनके कैरियर ग्राफ पर एक ताजा नजर डालें–

क्षेत्रीय फिल्मों का सहारा

राधिका की फिल्मों को देखें,तो अपने कैरियर में उन्होंने हिंदी की बजाय क्षेत्रीय फिल्में ज्यादा की हैं। वहीं उनकी अगली रिलीज भी एक अंग्रेजी फिल्म 'सिस्टम मिडनाइट' होगी। जाहिर है उनकी पिछली दूसरी फिल्मों की तरह इसकी भी कोई ज्यादा चर्चा नहीं होगी। वैसे भी ऐसी फिल्मों की चर्चा हमेशा ही उनके लिए ज्यादा जरूरी नहीं रही है। असल में इस उम्दा एक्ट्रेस को हिंदी फिल्मों ने ही सशक्त पहचान दी है। यह भी कि इस मामले में ही वह फिलहाल बहुत पीछे हैं।

उन्हें चाहिए एक अदद हिट

किसी भी माध्यम के प्रोजेक्ट में एंट्री लेना अभिनेत्री राधिका आप्टे को बखूबी आता है। कभी टीवी शो तो कभी वेब सीरीज। कुछ नहीं हुआ तो थियेटर के किसी प्रोजेक्ट को लेकर उन्हें व्यस्त देखा जा सकता है। फिल्में तो हमेशा इस कुशल तारिका का एक सशक्त मीडियम रहा है। पर विडंबना देखिए कि 'विक्रम वेदा' के बाद लगातार फ्लाप की मार झेल रही हैं।

"उन्हें बड़े हीरो यानी सुपर स्टार नायकों के साथ उन्हें फिल्म करते हुए कम ही देखा जाता है। कभी फिल्म 'पैडमैन' के बाद यह उम्मीद बंधी थी कि उन्हें अब बड़े सितारों की फिल्में भी मिलेंगी। पर ऐसा नहीं हुआ। बाद में वह 'बोंबेरिया' जैसी फिल्मों में उलझ कर रह गई। राधिका ऐसे सवालों का बहुत नपा–तुला जवाब देती हैं,'पहले तो मैं यह बात साफ कर दूं कि कोई बड़ी मसाला फिल्म मैं सिर्फ उसके कॉन्टेंट की वजह से करती हूं। इस इरादे से नहीं कि मैं किसी सुपर स्टार हीरो के साथ फिल्म कर पाऊंगी।'

लिहाजा अब वह किसी हिट फिल्म की तलाश कर रही हैं। उन्हें पता है कि यह तलाश एक अकेले उनसे संभव नहीं है,इसलिए वह अब खुद कुछ बड़े निर्देशकों से संपर्क कर रही हैं।

बड़ी लीग से बाहर

कई बड़ी फिल्मों में काम करने के बावजूद वह अभी तक बिग लीग में शामिल नहीं हो पाई हैं। उन्हें बड़े हीरो यानी सुपर स्टार नायकों के साथ उन्हें फिल्म करते हुए कम ही देखा जाता है। कभी फिल्म 'पैडमैन' के बाद यह उम्मीद बंधी थी कि उन्हें अब बड़े सितारों की फिल्में भी मिलेंगी। पर ऐसा नहीं हुआ। बाद में वह 'बोंबेरिया' जैसी फिल्मों में उलझ कर रह गई। राधिका ऐसे सवालों का बहुत नपा–तुला जवाब देती हैं,'पहले तो मैं यह बात साफ कर दूं कि कोई बड़ी मसाला फिल्म मैं सिर्फ उसके कॉन्टेंट की वजह से करती हूं। इस इरादे से नहीं कि मैं किसी सुपर स्टार हीरो के साथ फिल्म कर पाऊंगी।'

राधिका को खुश रहना आता है

7 सितंबर 1985 को जन्मी राधिका आप्टे के स्वभाव के दो पहलू हैं। पहला वह थोड़ी मूडी हैं। दूसरा,छोटी–छोटी बातों में खुशियां समेट लेना उन्हें बखूबी आता है। वह तमिल,तेलुगु, मलयालम,हिंदी अंग्रेजी,बंगला सहित कई भाषाओं की फिल्में कर चुकी हैं। उन्होंने ,खुद एक शार्ट फिल्म को डायरेक्ट भी किया है। उन्हें जो अच्छा लगता है,वही करती हैं। उन्होंने साल 2012 में ब्रिटिश वायलिन वादक और संगीतकार बैंडिक्ट टेलर से विवाह रचाया। जिसे अब तक बहुत अच्छी तरह से निभा रही हैं। वह अपनी शादीशुदा जिंदगी के बारे में ज्यादा बात करना पसंद नहीं करती हैं।

डांस के प्रति पैशन

उनके माता–पिता दोनों ही डॉक्टर हैं। लेकिन बचपन से ही एक्टिंग करना उन्हें पसंद था। इसलिए उन्होंने थियेटर करना शुरू किया। पर एक्टिंग के साथ ही डांस के प्रति भी उनका पैशन था। इसलिए तय कर रखा था कि एक फ्लेज्ड डांस का कोर्स करूंगी। यही वजह थी कि अपने कैरियर के शुरू में ही कई अच्छे ऑफर छोड़कर डांस का कोर्स करने के लिए लंदन चली गई थी। फिर एक्टिंग की दुनिया में वापस आ गईं। उन्हें इस बात का दुख है कि उनकी इस योग्यता का इस्तेमाल न के बराबर फिल्मो में किया गया। जबकि उन्होंने जमकर फिल्मों में किया। अब जबकि फिल्मों में उनकी स्थिति आउट जैसी बन चुकी है,राधिका के इस समर्पण भाव को नजरअंदाज करना ठीक नहीं होगा।

ब्रेस्ट सर्जरी करवाने की सलाह मिली थीः समीरा रेड्डी

एक्ट्रेस समीरा रेड्डी ने हाल ही में फिल्म इंडस्ट्री में हावी ब्यूटी स्टैंडर्ड्स पर बात की है। उन्होंने बताया कि जब वो बॉलीवुड में पीक पर थीं तो लोगों ने उन्हें सर्जरी करवाने की सलाह दी थी। समीरा ने कहा कि उन्होंने इन सारी बातों को दरकिनार कर दिया और कभी सर्जरी नहीं करवाई। मुझ पर ब्रेस्ट सर्जरी का दबाव बनाया गया समीरा ने हिंदुस्तान टाइम्स को दिए इंटरव्यू में कहा, श्मैं आपको बता नहीं सकती कि जब मैं करियर के पीक पर थी तो मुझ पर ब्रेस्ट सर्जरी करवाने का कितना दबाव बनाया गया। बहुत सारे लोग कहते थे कि समीरा सब लोग कर रहे हैं, आप क्यों नहीं? लेकिन मैं ऐसा बिल्कुल नहीं चाहती थी। मुझे लगता था कि आप ऐसा करके अपने अंदर की किसी कमी को छुपा रहे हैं जबकि ये कोई कमी नहीं थी, जिंदगी ऐसी ही है। मैं उन्हें बिल्कुल जज नहीं कर रही जो बोटॉक्स या प्लास्टिक सर्जरी करवाते हैं लेकिन मैं ऐसा नहीं करवाना चाहती थी। सोशल मीडिया पर पॉपुलर हैं। समीरा फिल्में छोड़ने के बाद समीरा ने सोशल मीडिया पर अपनी दूसरी पारी शुरू की थी। वे सेल्फ लव और बॉडी पॉजिटिविटी से जुड़े वीडियो शेयर करती हैं। समीरा ने बताया कि शुरुआत में वो भी सुंदर दिखने के लिए सोशल मीडिया फिल्टर्स का इस्तेमाल करती थीं लेकिन बाद में उन्होंने ऐसा करना बंद कर दिया और इसी वजह से उनकी पॉपुलैरिटी बढ़ गई।

कौन था वो शख्स जिसने नाबालिग उर्वशी को मां बनाकर छोड़ दिया

अभिनेत्री उर्वशी ढोलकिया छोटे पर्दे पर अपने सफर से काफी खुश और संतुष्ट हैं, लेकिन उन्हें इस बात का दुख है कि शो के निर्माता उनकी वैम्प की छवि से आगे नहीं देख पा रहे हैं, जिसका श्रेय कसौटी जिंदगी की में कोमोलिका के उनके किरदार को जाता है जिसने उन्हें घर–घर में मशहूर कर दिया और 15 साल बाद भी यह किरदार उनके साथ बना हुआ है। उर्वशी ढोलकिया ने कहा कि "हर कोई अभी भी मुझे कोमोलिका कहता है। सिर्फ इसलिए कि एक चीज इतनी शक्तिशाली हो गई है। यह सोचना गलत है कि मैं कुछ और नहीं कर सकती। निर्माता और क्रिएटिव डायरेक्टर्स की रचनात्मकता कहाँ है जब वे मुझे उस एक भूमिका से आगे नहीं सोच सकते?" उन्होंने सवाल उठाया, साथ ही कहा कि इस स्टीरियोटाइपिंग के कारण, पिछले कई सालों में उन्होंने जो कुछ भी किया है, उसके बारे में शायद ही बात की जाती है। हाल के वर्षों में, ढोलकिया ने चंद्रकांता, इश्क में मरजावां, तू आशिकी, नागिन 6 जैसे शो में अभिनय किया है, हालांकि, प्रशंसक अभी भी शिकायत करते हैं कि उन्हें स्क्रीन पर उन्हें बहुत कम देखने को मिलता है। उन्होंने कहा कि "मैं आती–जाती रहती हूं क्योंकि कुछ ऐसा मेरे रास्ते में आता है जो वास्तव में मुझे मिलने वाली चीजों से अधिक रोमांचक होता है। मैं बार–बार एक ही नीरस काम नहीं कर सकती। मुझे बहुत टाइपकास्ट किया गया है। यह ऐसा है जैसे कह रहे हों कि रेखा ने उमराव जान किया तो बस यही है, यही हर चीज का चरम है। नहीं, यह यहीं नहीं रुकता। दरअसल, ढोलकिया ने खुलासा किया कि कसौटी जिंदगी की के तुरंत बाद, उन्होंने दर्शकों के दिमाग में कोमोलिका की छवि से अलग होने के लिए जानबूझकर कॉमेडी सर्कस करने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि "मैं विनम्र हूं कि आज के दिन और उम्र तक लोग कोमोलिका मीम्स और रील्स साझा करते हैं लेकिन, साथ ही, मैं उन अन्य भूमिकाओं के लिए भी पहचान बनाना चाहती हूं जो मैंने की हैं। उन्होंने कहा, छवि को तोड़ने के लिए उन्हें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। वर्तमान में टीवी शो पुष्पा इम्पॉसिबल में दिखाई दे रही ढोलकिया, जिसमें वह एक वकील की भूमिका निभा रही हैं, उन्हें उम्मीद है कि दर्शक उन्हें कुछ अलग करने के लिए स्वीकार करेंगे।

फिटनेस फ्रीक मलाइका जिम के बाहर कुछ इस अंदाज में हुईं स्पॉट

मलाइका अरोड़ा नियॉन जिम टॉप और शॉर्ट्स में बेहद स्टनिंग लुक में नजर आईं, यहां देखें...

मौनी रॉय ने जमीन पर बैठ कराया ग्लैमरस फोटोशूट, इन तस्वीरों पर आ जाएगा दिल

मौनी रॉय कॉफी कलर की ऑफ शोल्डर ड्रेस में जमीन पर बैठकर पोज देती नजर आ रहीं...

सारा–मलाइका से नोरा फतेही तक, बिकिनी में कहर ढाती हैं ये एक्ट्रेस

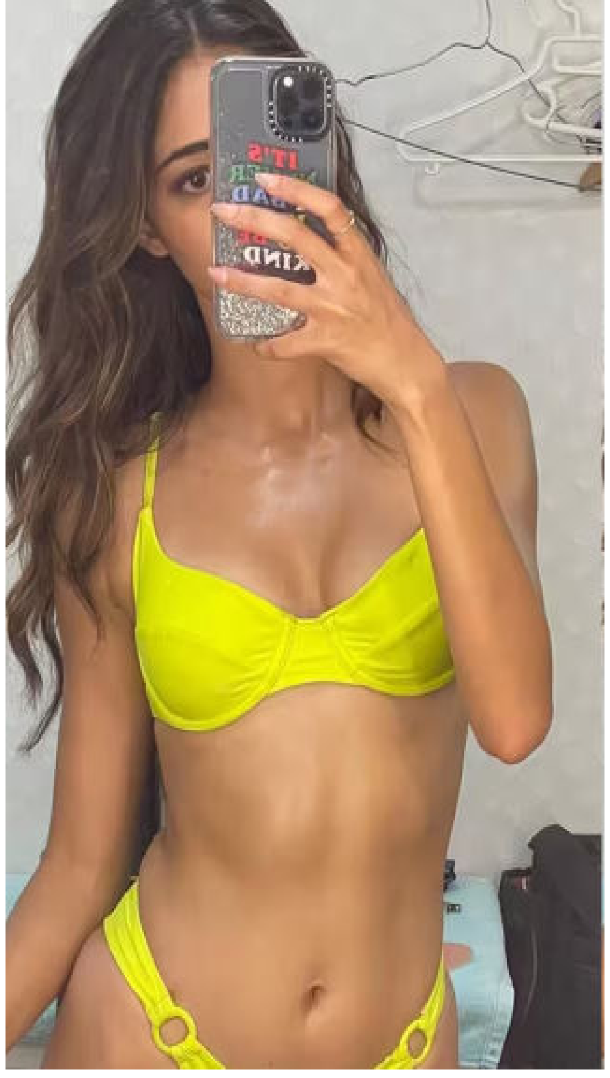

सारा अली खान से लेकर नोरा फतेही और अनन्या पांडे से लेकर मलाइका अरोड़ा तक आइए आज आपको दिखाते इन हसीनाओं के बिकिनी...

बहुत से लोग सुबह की शुरुआत एक कप चाय के साथ करते हैं। कई लोगों को तो चाय इतनी पसंद होती है कि वह पहले सुबह चाय पीते हैं उसके बाद वह फिर नाश्ते के साथ और इसके बाद ऑफिस में चाय ऐसे लोगों के लिए और कुछ जरुरी हो ना हो लेकिन चाय बहुत ही जरुरी होती है। इसकी लत ऐसी है कि जब व्यक्ति को एक बार लग जाए तो फिर छोड़ना मुश्किल हो जाता है। लेकिन आपको जानकारी के लिए बता दें कि इसकी लत बेहद हानिकारक होती है। अगर आप चाय पीना छोड़ देते हैं तो इससे आपको कई तरह की बीमारियों से राहत मिल सकती है। तो चलिए जानते हैं इनके बारे में...

आएगी अच्छी नींद

चाय पीना अगर आप छोड़ देते हैं तो आपको नींद अच्छी आने लगेगी। अगर आपको अनिद्रा की समस्या रहती है तो चाय छोड़ दें। इसमें पाया जाने वाला कैफीन अनिद्रा जैसी परेशानी खड़ी कर सकता है।

वजन होगा कम

चाय में चीनी भी डाली जाती है। चीनी में कैलोरी की मात्रा काफी मौजूद होती है जो आपके शरीर को नुकसान पहुंचा सकती है। ऐसे में अगर आप चाय पीते हैं तो आपका वजन बढ़ सकता है। अगर आप वजन कम करना चाहते हैं तो चाय पीना छोड़ दें आपको खुद ही अपने वजन में फर्क दिखने लगेगा।

ब्लड प्रेशर रहेगा कंट्रोल

इसमें कैफीन भी काफी ज्यादा मात्रा में मौजूद होता है। ज्यादा कैफीन का सेवन करने से ब्लड प्रेशर की समस्या बढ़ती है। वहीं अगर आप ब्लड प्रेशर कंट्रोल में करना चाहते हैं तो चाय पीना छोड़ दें।

दांत रहेंगे सफेद

चाय आपके दांतों का रंग भी प्रभावित करती है ऐसे में अगर आप 1 महीना इसका सेवन नहीं करते हैं तो आपके दांतों सफेद रहेंगे और इन पर पीलापन भी नहीं आएगा।

पाचन तंत्र का स्वस्थ होना बहुत जरुरी है। आज कल का खान–पान और लाइफस्टाइल से जुड़ी आदतों के कारण पाचन तंत्र को कई बार बहुत ही नुकसान होता है। असंतुलित खान–पान, गंदा पानी पीने या फिर बैक्टीरिया के संपर्क में आने के कारण पेट में इंफेक्शन हो सकती है। पेट में इंफेक्शन होने पर ज्यादातर लोग यह नहीं समझ पाते कि उन्हें क्या खाना चाहिए और क्या नहीं। ऐसे में आज आपको अपने इस आर्टिकल के जरिए बताते हैं कि पेट में इंफेक्शन होने पर क्या खाना चाहिए और किन चीजों से परहेज करना चाहिए...

क्या खाएं?

दही या छाछ

इन दोनों चीजों का सेवन पेट में इंफेक्शन होने पर फायदेमंद माना जाता है। इसमें पाए जाने वाले प्रोबायोटिक्स पाचन तंत्र के लिए बेहद लाभकारी माने जाते हैं। वहीं दही शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करता है।

सूप

यह भी पेट में इंफेक्शन होने पर बहुत ही लाभकारी माना जाता है। आप इसमें सौंफ, पुदीना और अदरक मिलाकर पी सकते हैं। इसमें प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट्स और एंटीइंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं जो स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी होते हैं।

प्रोटीन डाइट

इस दौरान प्रोटीन डाइट का सेवन जरुर करें। परंतु ऐसी चीजें भूलकर भी न खाएं जिन्हें पचाने में ज्यादा समय लगता हो।

केला, अंगूर और संतरा

ऐसे फल और सब्जियां खाएं जो बिल्कुल ताजी हों और आसानी से पच जाएं। केला, अंगूर, संतरा आप पेट में इंफेक्शन होने पर खा सकते हैं।

नारियल पानी

इसका सेवन पेट में इंफेक्शन होने पर आप कर सकते हैं। नारियल पानी में पाए जाने वाले इलेक्ट्रोलाइट्स दस्त और उल्टी की समस्या से आपको बचाते हैं। शरीर को हाइड्रेट और स्वस्थ रखने के साथ–साथ पाचन तंत्र को तंदरुस्त रखने के लिए नारियल पानी बेहद लाभकारी होता है।

क्या न खाएं?

. एक्सपर्ट्स की मानें तो कैफीन युक्त खाद्य और पेय पदार्थों का सेवन भी न करें।

. कोल्डड्रिंक, चाय और कॉफी का सेवन भी स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है।

. पेट में इंफेक्शन खान–पान में असंतुलन, दूषित पानी पीने के कारण हो सकता है ऐसे में साफ–सफाई का ध्यान रखें।

पुदीना एक ऐसा पौधा है जिसकी पत्तियों की चटपटी चटनी, भोजन का स्वाद दोगुना कर देती हैं। खाने की थाली में पुदीने की चटनी देखकर भूख और बढ़ जाती है लेकिन सिर्फ स्वाद ही नहीं बल्कि पुदीने की पत्तियों में बहुत से औषधीय गुण भी मौजूद होते हैं जो शरीर को कई तरह से फायदा पहुंचाते हैं। इन छोटी छोटी पत्तियों में विटामिन–ए, विटामिन–सी, पोटैशियम, आयरन, कैल्शियम, एंटी–वायरल, एंटी–माइक्रोबियल, एंटीऑक्सीडेंट और थायमीन जैसे कई तत्व पाए जाते हैं। चलिए आपको इसके फायदे बताते हैं।

–लू से बचाए पुदीना

गर्मी के मौसम में पुदीने की ड्रिंक शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करती है। यह पेट को ठंडा रखता है और हीट स्ट्रोक के खतरे को कम करता है। इससे ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और जिन्हें सीने की जकड़न और बलगम की समस्या रहती है उन्हें भी पुदीने का सेवन करना चाहिए। इससे गला साफ हो जाता है जिससे आप खुलकर सांस ले पाते हैं।

गैस और ब्लोटिंग की सम्सया

पेट और आंत के लिए पुदीने का जूस और चाय बहुत ही फायदेमंद है। इसमें मौजूद विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट्स इम्यूनिटी को बूस्ट करता है। यह पेट मे होने वाली गलत क्रिया को शांत करता है।

त्वचा की करें मरम्मत

जैसे कि हमने पहले ही बताया कि इससे ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और यह डेड स्किन को भी रिपेयर करता है। त्वचा के छिद्रों को साफ कर उसे टाइट करता है। ब्लैक हेड्स से छुटकारा दिलाता है।

पुदीने के अन्य लाभकारी गुण

मुंह से गंदी बदबू आती है तो भी यह पत्तियां फायदेमंद है। इन पत्तियों को साफ कर चबाएं। इससे मुंह में मौजूद बैक्टीरिया और संक्रमण ठीक होगा।

गर्मी की वजह से सिर में दर्द रहता है तो पुदीने के तेल की मालिश करें। इस तेल की तासीर ठंडी होती है।

पुदीने के पौधे से तेज गंध आती है। अगर आप इसे घर में लगाते हैं तो यह मच्छरों को भी दूर रखने में मदद करता है।

गर्मियों में गोंद कतीरा खाना हमारी सेहत के लिए बहुत अच्छा होता है, ये तो आप सभी जानते ही होंगे। दरअसल, इसकी तासीर ठंडी होती है इसलिए इसका सेवन गर्मियों में करना बेहद लाभकारी माना जाता है। आपको बता दें कि गोंद कतीरा पेड़ से निकलने वाला एक पीले रंग का गोंद है। यह छूने में चिपचिपा, बदबूदार और बेस्वाद होता है। इसके सेवन मात्र से ही कब्ज, स्तन में वृद्धि, त्वचा रोग, शीघ्रपतन और हृदय रोग का खातरा तक कम हो जाता है। सिर्फ यही नहीं बल्कि दूध में मिलाकर गोंद कतीरा पिने से सेहत को ऐसे फायदे होते हैं जिसे जान आप आज से ही इसका सेवन करना शुरू कर देंगे। तो चलिए आइये यहां जानें इसके कुछ खास लाभ–

खून की कमी

दूध में गोंद कतीरा डालकर पीने से शरीर में हो रही खून की कमी से छुटकारा मिलता है और साथ ही यह हीमोग्लोबिन के स्तर को भी बढ़ाने में मदद करता है।

हड्डियों को मजबूत करे

दूध में गोंद कतीरा डालकर पीना बहुत लाभदायक साबित हो सकता है। इसके सेवन से हड्डियों को मजबूत रहने में मदद मिलेगी और साथ ही शरीर भी एक दम स्वस्थ रहेगा।

दूर करे कमजोरी

गोंद कतीरा में ढेर सारा प्रोटीन और फॉलिक एसिड पाया जाता है। इसके सेवन से शरीर को तुरंत ताकत मिलती है। इसे खाने से खून गाढ़ा होता है। 20 ग्राम गोंद कतीरा को एक गिलास पानी या फिर दूध में भिगो कर रखें और फिर सुबह मिश्री मिलाकर शर्बत बनाकर पिएं।

ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए फायदेमंद

दूध में गोंद कतीरा डालकर पीना ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए बहुत लाभदायक साबित होता है। यह बढ़ रहे ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मददगार साबित होता है।

मासिक धर्म करे नियमित

यदि किसी महिला के मासिक धर्म अनियमित हैं तो गोंद कतीरा और मिश्री को साथ में पीस कर 2 चम्मच दूध में मिला कर सेवन करें। इसके अलावा गोंद के लड्डू भी बना कर खाए जा सकते हैं। यही नहीं बच्चा होने के बाद भी गोंद के लड्डू खाने पर कमजोरी और माहवारी की गड़बड़ी भी ठीक हो जाती है।

टान्सिल में राहत

यदि आप हर वक्त टॉन्सिल से परेशान रहते हैं तो 2 भाग कतीरा और 2 भाग नानख्वा को बारीक पीस लें। फिर इसमें हरी धनिया की पत्ती का रस मिलाएं और रोजाना इसे गले पर लेप करें। इससे आपको जल्ध्द ही आराम मिलेगा। यही नहीं अगर आपके पास साधन न हो तो लगभग 10 से 20 ग्राम गोंद कतीरा पानी में भिगोकर फुला लें और फिर इसे मिश्री मिले शर्बत में मिलाकर सुबह–शाम पिएं।

मुंह के छाले के लिए गोंद कतीरा

अल्सर के कारण होने वाली सूजन, लालिमा और दर्द को कम करने के लिए इस उपाय को आजमाएं गोंड कतीरा का बारीक पिसा हुआ पेस्ट बनाएं और तुरंत राहत के लिए अपने छालों पर लगाएं।

विश्व का प्रथम छंदबद्ध भारत का संविधान

गोल्डन बुक आफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ कानपुर की श्रद्धा श्रीवास्तव का नाम

नई दिल्ली। भारत का संविधान, भारत का सर्वोच्च एवम् विश्व के किसी भी गणतान्त्रिक देश का सबसे लम्बा लिखित संविधान है। इस पुस्तक में विश्व के प्रथम छंदबद्ध भारत का संविधान में मूल संविधान के 395 अनुच्छेद जो 22 भागों में विभाजित 12 अनुसूचियाँ ,जो 2110 दोहे, 422 रोला, 24 अन्य छंदबद्ध कालजयी काव्य ग्रंथ समाहित है। इस काव्य में 142 सदस्य , त्रिसंपादक मंडल जिसमें प्रमुख संपादक "डॉ ओंमकार साहू मृदुल", संपादक डॉ सपना दत्ता "सुहासिनी" , सह संपादक डॉ मधु शंखधार "स्वतंत्र", जन जागरण समिति प्रेमनगर के अध्यक्ष डॉ रूपेश साहू जी के अथक प्रयास से यह छंदबद्ध भारत का संविधान 'गोल्डन बुक आफ वर्ल्ड रिकॉर्ड' में शामिल किया गया है जो दिनांक 15 जून 2024 को भव्य पुस्तक विमोचन एवं सम्मान समारोह हिंदी भवन नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ श्याम सिंह 'शशि' (पद्मश्री), मुख्य अतिथि मिनाक्षी लेखी (पूर्व विदेश मंत्री एवं सांस्कृतिक राज्य मंत्री) विशिष्ट अतिथि डॉ सुरेश सिंह शौर्य 'प्रियदर्शी' (पुलिस प्रशासनिक अधिकारी गृहमंत्रालय), डॉ संतोष खन्ना (पूर्व न्यायाधीश) , डॉ राम सिंह (वरिष्ठ साहित्यकार) , शकुंतला कालरा (वरिष्ठ साहित्यकार) , चेतन आनंद (कवि एवं पत्रकार), पंकज शर्मा (आज तक एडिटर), आलोक कुमार (भारत प्रमुख गोल्डन बुक आफ वर्ल्ड रिकॉर्ड), आदि की उपस्थिति में संपन्न हुआ। हमारे संवाददाता ने बताया कि विश्व का प्रथम छंदबद्ध भारत का संविधान पुस्तक ही नहीं अपितु एक ग्रंथ है,इस गोल्डन बुक आफ वर्ल्ड रिकॉर्ड पुस्तक में "श्रद्धा श्रीवास्तव" का भी नाम दर्ज हुआ है।

इस आयोजन में विश्व भर से आए रचनाकारों ने भाग लिया।

गोल्डन बुक आफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल होने पर सभी साहित्यकारों, परिवारिक, सामाजिक जनों तथा मित्रों ने बधाईयाँ प्रेषित की।

बिजली विभाग की साइट ना खुलने की वजह से उपभोक्ता परेशान....

प्रयागराज करमा बाजार। बिजली विभाग द्वारा करमा पुलिस चौकी में मंगलवार को एक शिविर लगाया गया जिसमें उपभोक्ताओं को बिजली के बिल में सुधार करने के लिए बुलाया गया। मंगलवार 10 बजे क्षेत्र के कई गांवों के लोग अपना बिल सुधरवाने के लिए शिविर में पहुंचे लेकिन किसी की समस्या का समाधान नहीं हो सका जिससे उपभोक्ता आक्रोशित हो गए। लोगों का कहना है कि एसडीओ समेत सभी अधिकारी आये लेकिन कुछ देर बाद मौके से चले गए और शिविर में कोई काम नहीं हुआ जबकि कर्मचारी काफी देर तक बैठे रहे। उपभोक्ताओं का कहना था कि वे गर्मी में दूर दूर से अपना बिल ठीक कराने आये लेकिन उनका कोई काम नहीं हुआ।इस बारे में विद्युत उपकेंद्र गौहनिया के जेई गणेश यादव ने बताया कि करमा में नेट न चलने से साईट नहीं खुल पा रही थी। काफी प्रयास के बाद भी जब साईट नहीं खुली तो मौके से सभी अधिकारी चले गए।

दोहे

(हरियाली उपहार है)

जीवन हूँ मैं जीव का,दे मानव को सीख।
मत काटो मुझको अभी,वृक्ष माँगते भीख।।

जिनकी छाया में पले,राजा रंक फकीर।
कौन सुनेगा आज अब,उनके मन की पीर।।

जिनके नीचे बैठकर, मिला बुद्ध को ज्ञान।
वही वृक्ष अब रो रहे,देख विकास– विधान।।

वृक्षों से संवाद कर,रहकर उनके बीच।
राम राममय हो गए, रामराज्य को सींच।।

वन जंगल उपवन सहित, सागर नदी पहाड़।
तन लालच ने चर लिया,शेष रह गया हाड़।

नहीं तोड़िए वृक्ष का,माटी से सम्बन्ध।
धरती में भरते यही,मोहक मधुर सुगन्ध ।।

कौन सुनेगा वृक्ष की,चीख–रुदन आवाज ।
बेत कुल्हाड़ी का बना,खुद्द ही खुद्द जब बाज।।

मानवता को बेचकर, लालच में हो अंध।
तोड़ रहे हैं वृक्ष का,माटी से संबंध।।

वृक्ष सदा कहते यही,करो सदा उपकार।
जीवन मात्र निबन्ध है,साँसे उपसंहार।।

अभी वक्त है रोक लो,करो नहीं संहार।
हरियाली सौगात है,जंगल,नद उपहार। ।

मानव निर्मित कार भी,तपकर जलती आज।
घटनाएँ नित घट रहीं,फिर भी मौन समाज।।

ताप बढ़ा धरती तपी,गर्म हुआ नद नीर।
वृक्षों के प्रस्थान की,है यह सूक्ष्म लकीर।।

डॉ०प्रदीप चित्रांशी
प्रयागराज

विश्वनाथ में कविचक्र ,विश्वनाथ चारिआलि के सौजन्य में असाधारण कार्यक्रम– आइए गाँवों में जाए, कविता से सजाएं हरियाली वसुधा

टुनापुखुरी के तट पर गीत और कविता की एक संध्या कार्यक्रम

विश्वनाथ, असम। विश्वनाथ में प्रायः 30 नव – पुराने कवियों ने वारिश के कविताओं से वातावरण जीवंत हो उठाध। विश्वनाथ चारिआलि के काव्य चर्चा के अन्यतम तथा पुराने अनुष्ठान कविचक्र विश्वनाथ चारिआलि के सौजन्य में तथा बरकुरा एक्य मंच के आतिथ्य में टुनापुखुरी के किनारे आयोजित बहुभाषिक कवि सम्मेलन के पूर्व मूहूर्त में रूपकुँवर ज्योतिप्रसाद को सश्रद्धा याद करके दीप प्रज्ज्वलन बरकुरा एक्य मंच के उपाध्यक्ष मतिराम मुरा ने किया। कविचक्र बिश्वनाथ चारिआलि के अध्यक्ष शैलेन्द्र बोरा के अध्यक्षता में और कविचक्र के सचिव चंद्र लुइटेल के संयोजन में कविता के इस रंगारंग कार्यक्रम में विशिष्ट संस्कृत पंडित लोकनाथ उपाध्याय शास्त्री ने भाषा के जननी संस्कृत भाषा में स्वरचित प्रकृति विषयक कविता प्रस्तुति से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।इस कार्यक्रम में प्रमुख कवि चित्र प्रसाद पौड़ेल ने हिंदी, सोमेश्वर उरांग ने साद्री ,पूर्णिमा घिमिरे ने नेपाली, प्रतिभा दास ने उड़िया, संतोष कुमार महतो ने भोजपुरी व हिंदी भाषा में स्वरचित कविता के प्रस्तुति के साथ विशिष्ट कवि दिलीप कुमार भट्टाचार्य,अञ्जना भागवती , बिपुल कुमार गायन, अंजन कुमार बरुआ, साबित्री भट्टाचार्य, रूबी सैकिया, रीता पटवारी बरुआ, शैलेन्द्र बोरा, माधवी हजारिका , दीपेन पौरेल , गोपाल शर्मा, सीमांत ओजा, बिमान रायबरुआ, पुर्वाली सैकिया, दुलाल बोरा, सबिता मुदै, निरला बोरा, पुलिन सैकिया आदि के साथ तीस से भी अधिक नये–पुराने कवि के स्वरचित कविता पाठ से पुखुरी के किनार जीवंत हो उठा। यह कार्यक्रम प्राकृतिक औऔर अकृत्रिम तकनीकों से सुसज्जित सुंदर वातावरण में आयोजित कार्यक्रम में लोकप्रिय कलाकार और कवि अतुल दास के गीतों और कविताओं से भरा हुआ था अनुभव करने का एक शानदार अवसर है। कार्यक्रम के पूर्व ष्आइए गाँवों में जाए,कविता से सजाएँ हरियाली धरतीष कविचक्र, विश्वनाथ चारिआलि के इस असाधारण कार्यक्रम के साथ संपर्क रखकर स्थानीय छात्र–छात्राओं के बीच कविता आवृत्ति प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उभरते हुए कवि और वाचक तप्पीदुति बोरा और विचित्र कुमार भुइयां प्रतियोगिता निर्णायक के रूप में उपस्थित थे और उन्होंने छात्रों को कविता पाठ सीखने की कला के बारे में बताया। कवियों का स्वागत एकता मंच के अध्यक्ष कृष्णकांत भुइयां ने किया।इसके अलावा मूर्तिकार शिव प्रसाद मारार के वाणीबद्ध कविता और बरकुरा–सधारूपार की माताओं द्वारा दिहा नाम, भाइटी कर्माकर और उनके बैंड द्वारा झूमूर नृत्य और निहारिका बोरा और अंकिता हजारिका के नेतृत्व में बिहू नृत्य की भी प्रस्तुति हुई। इस कार्यक्रम में स्थानीय ग्राम प्रधान अतुल खाउंड, बसंत काकती और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित में बहुभाषी कवि सम्मेलन में एक्य मंच के तरफ से मैट्रिक तथा बारहवीं में उत्तीर्ण मेधावी विद्यार्थी को अभिनंदन जनाया गया। इस कार्यक्रम में कविता पाठ प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

मनरेगा योजना के अंतर्गत विकासखंड मऊ में कार्य प्रगति के पथ पर अग्रसर

अधिकारी, कर्मचारी और प्रधान, सदस्यगण तीव्रगति से कर रहे कार्य

अभिलाष द्रिवेदी मऊ,संवाददाता।विकासखंड ब्लाक मऊ जनपद चित्रकूट की ग्राम पंचायत नीबी में मनरेगा योजना के अंतर्गत 9.95 लाख एस्टीमेट लगत से चल रहे रामसागर तालाब के कार्य का का लगभग आधा कार्य पूर्ण प्रगति की ओर ग्राम स नीबी के प्रधान सदस्य एवं निगरानी समिति के अध्यक्ष दयाशंकर ने बताया कि तालाब के कार्य को करने के लिए मनरेगा योजना के अंतर्गत 90 लेबर लगाकर कर को कराया जा रहा सजेध्ई राजेश कुमार शुक्ला ने बताया तालाब के कार्य को गुणवत्ता एवं मनरेगा योजना के नियम अनुसार कराया जा रहा है और बताया कि तालाब के कार्य की लगभग 5 लाख के कार्य की फीडिंग हो चुकी हैस ग्राम पंचायत सचिव नरेंद्र सिंह एवं प्रधान श्रीमती मनभावन का कहना है कि अगर कुछ मजदूर और बढ़ा दिए जाएं तो कार्य को और जल्दी पूर्ण प्रगति की और ले जाया जा सकता है जिससे की आने वाली बरसात से तालाब में पानी एकत्रित होगा जिससे ग्राम पंचायत की जनता की पानी की समस्या दूर होगी सजब मौके पर तालाब में चल रहे कार्यों की जांच की गई तो भैरव मस्ती लाल राजवा अमृतलाल ननकी शोभा सुमन विष्णु ननकू विक्रम 90 लेबर वा मेट आदि उपस्थित रहे।

शिव प्रकाश तिवारी बने यू.पी.ग्रामीण वॉलीबाल एसोसिएशन के संरक्षक

ग्रामीण अंचल में वॉलीबाल खेल का विकास तथा गाँव की प्रतिभा उभर कर वॉलीबाल जगत में देश व प्रदेश का नाम रोशन करेगीः तिवारी

मिर्जापुर। मिर्जापुर की तहसील सदर के छवीनाथपुर निवासी शिव प्रकाश उर्फ राजन तिवारी को उत्तर प्रदेश ग्रामीण वॉलीबाल एसोसिएशन में ‘संरक्षक’ के पद पर मनोनीत किया गया है। उक्त आशय की जानकारी देते हुए उत्तर प्रदेश ग्रामीण वॉलीबाल एसोसिएशन के महासचिव उमाकांत तिवारी ने बताया कि गत माह 19 मई 2024 को प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक में श्री राजन तिवारी को सर्वसम्मति से संगठन में ‘संरक्षक’ बनाए जाने का निर्णय लिया गया था। उक्त निर्णय के परिप्रेक्ष्य में शिव प्रकाश उर्फ राजन तिवारी ने प्रदेश संगठन में ‘संरक्षक’ के पद पर मनोनीत किए जाने के लिए अपनी सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हुए उत्तर प्रदेश ग्रामीण वॉलीबाल एसोसिएशन के प्रति आभार व्यक्त किया है। राजन तिवारी द्वारा उपरोक्त संगठन में ‘संरक्षक’ पद स्वीकार करने पर मिर्जापुर जिले के कई क्लब के खिलाड़ी व जिला ध् मंडल स्तर के पदाधिकारियों में खुशी की लहर है तथा संरक्षक महोदय को सोशल मीडिया के माध्यम से बधाइयां देकर कहा कि राजन तिवारी के ‘संरक्षक’ बनने पर ग्रामीण अंचल में खेल का विकास होना तय है तथा ग्रामीण अंचल की प्रतिभा उभर कर वॉलीबाल जगत में देश व प्रदेश का नाम रोशन करेगी। जिसमें मुख्य रूप से मंडल कोऑर्डिनेटर गया प्रसाद तिवारी, गणेश शंकर उर्फ बाबा गिरी, राकेश भास्कर, कुशल कांत मिश्रा, बहादुर गुप्ता, अनिल सिंह यादव, विष्णु शंकर शुक्ला एडवोकेट, भगवान दास प्रधान, के.पी.सिंह पूर्व क्रीड़ा अधिकारी, शनि गिरी, पन्नालाल एडवोकेट आदि ने बधाइयां देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

बाबा सेवा समिति ने कराया पांच निर्धन कन्याओं का विवाह

प्रयागराज। कौंधियारा थाना क्षेत्र में बाबा सेवा समिति द्वारा आयोजित सामुहिक विवाह में पांच कन्याओं का विवाह सम्पन्न कराया गया। बाबा सेवा समिति के संचालक मस्तान बाबा विनय केध नेतृत्व में सेवा समिति की अध्यक्ष आशा शर्मा व सचिव अमृतलाल विश्वकर्मा के साथ सेवा समिति के उपाध्यक्ष विमल विश्वकर्मा द्वारा सभी नव विवाहित जोड़ों को दहेज के रुप में घरेलू सामान के साथ साथ नव वधू को आभूषण भी भेंट किए गए।

समिति के संचालक मस्तान बाबा विनय के द्वारा बताया गया कि समिति का उद्देश्य है कि गरीब परिवार जो किसी तरीके से अपने परिवार का भरण पोषण पूरी तरीके से नहीं कर पा रहा है ऐसे गरीब परिवार के लिए बाबा सेवा समिति समय समय–समय पर मददगार बनेगी। विनय बाबा ने कहा कि मस्तान बाबा की कृपा रहेगी तो बाबा सेवा समिति हर वर्ष निर्धन कन्याओं का विवाह करवाएगी और जरूरत की हर चीज नव वैवाहिक जोड़ों को प्रदान करेगी। इस मौके पर बाबा समिति के पदाधिकारियों, सदस्य गणों के साथ नवविवाहित जोड़ों के पारिवारिक जन मौजूद रहे।

अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक द्वारा कृषि समृद्धि आयोग के सदस्य का किया गया सम्मान

प्रयागराज। अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक परम पूज्य श्री आलोक आनंद जी महाराज द्वारा कृषि समृद्धि आयोग के सदस्य कुलदीप सिंह को सम्मानित किया गया। उन्होंने कुलदीप सिंह को रामनामा पहनाकर अंग वस्त्र प्रदान करते हुए स्वागत अभिनंदन किया। पूरा सम्मान समारोह प्रयागराज स्थित सर्किट हाउस में किया गया। इस दौरान राष्ट्रीय टीम योगी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष प्रतीक सिंह, इलाहाबाद उजाला के संपादक बलराम शुक्ला, अयोध्या हनुमानगढ़ी सीता सेवा सदन आश्रम के पंकज दास महाराज , प्रदेश अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ ब्रह्मदेव मिश्र, डॉ जे. पी. मिश्रा समस्त भक्तगण उपस्थित रहे।

आवश्यक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा N.P.B. रायफल का मूल लाइसेंस सं. 6178/ थाना खीरी प्रयागराज वास्तव मे खो गया है।

राकेश कुमार
पुत्र घनश्यामदास
नि. खीरी बाज़ार
थाना - खीरी
प्रयागराज।

प्रेरणा हिंदी प्रचारणी सभा भारत ने अजय पांडेय को उत्तर क्षेत्र का बनाया मानन्द अध्यक्ष समर्थको में खुशी,दी बधाई समाचार

प्रतापगढ़। हिंदी के प्रचार प्रसार में महती भूमिका का निर्वहन कर रही, जबलपुर व हैदराबाद की मशहूर राष्ट्रीय हिंदी संस्था, प्रेरणा हिंदी प्रचारणी सभा भारत ने हिंदी के प्रचार व संस्था के प्रसार में रचनात्मक योगदान दे रहे यूपी प्रतापगढ़ के वरिष्ठ (मान्यता प्राप्त)पत्रकार, गांव का सिपाही राष्ट्रीय हिंदी समाचार पत्र, के सम्पादक, जीकेऐस न्यूज नेटवर्क यूपी के एडीटर इन चीफ , सदभावना का प्रतीक हिंदी दैनिक के वरिष्ठ संवाददाता, पवन प्रभात हिंदी दैनिक के सलाहकार संपादक ,विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से जुड़कर समाज सेवा व राष्ट्र सेवा कर रहे, अजयपाण्डेय को प्रेरणा हिंदी प्रचारणी सभा भारत ने इस वर्ष पुनः उत्तर क्षेत्र का मानद अध्यक्ष पुनः मनोनीत किया है ।

उक्त मनोनयन की जानकारी होने पर मित्रो कलमकारो शुभचिंतकों ने खुशी जाहिर कतरे हुए बधाई दिया है।।

तेज धूप से बचकर रहें, हीट स्ट्रोक हो सकता है जानलेवा–डा0 मनोज खत्री

प्रतापगढ़। भीषण गर्मी में आसमान से बरस रही आग के चपेट में आने से लोगों की मौतें हो रही हैं। अस्पतालों में इस समय बुखार व हीट स्ट्रोक के मरीजों की भारी भीड़ उमड़ रही हैं। गर्मी धूप से बचने में लापरवाही बरत रहे लोग तेजी से इसकी जद में आ रहे हैं। प्रताप बहादुर मेडिकल कालेज में इन दिनों बुखार से पीड़ित मरीजों की बाढ़ सी आई है। मेडिकल कालेज के वरिष्ठ फिजीशियन डा0 मनोज खत्री के ओपीडी के दौरान लाइन में खड़े सैकड़ों मरीजों की संख्या में अधिकाधिक बुखार से पीड़ित रहते हैं। बुखार से पीड़ित हर मरीज को वह गर्मी व तेज धूप से बचने के लिए सुझाव व बचाव के तरीके समझाते नजर आए। वार्डों में भर्ती मरीजों का उदाहरण देते हुए उनके लापरवाही के बारे में मरीजों से बताते रहे। कई मरीजों के हीट स्ट्रोक की वजह से हुई मौतों पर वह चिंतित नजर आए। उन्होंने मरीजों से कहा कि धूप में बाहर न निकले। यदि बहुत जरूरी हो तभी घर से बाहर निकलें। यदि निकलना जरूरी हो तो पूरे बदन को ढंक कर रखें। पानी की बोतल हमेशा साथ में रखें। उन्होंने कहा कि तेज धूप से हीट स्ट्रोक का खतरा हमेशा बना रहता है। हीट स्ट्रोक जानलेवा साबित हो सकता है।

क्या है हीट स्ट्रोक–

मेडिकल कालेज के वरिष्ठ फिजीशियन डा0 मनोज खत्री ने बताया कि हीट स्ट्रोक की चपेट में आने पर मरीज में तीन प्रकार के लक्षण विशेष रूप से दिखाई देने लगते हैं। थर्मो रेगुलेटरी माइकनीजम फेल हो जाता है यानी मस्तिष्क से गर्मी महशूस करने की क्षमता खत्म हो जाती है। शरीर से पसीना निकलना बंद हो जाता है और चमड़ी शुष्क व गर्म हो जाती है। मरीज बहकी–बहकी बातें करने लगता है।

हीट स्ट्रोक आने पर क्या करें–

फिजीशियन डा0 मनोज खत्री ने बताया कि हीट स्ट्रोक की चपेट में आने पर तुरंत शरीर को जितना हो सके ठंड़ा करने का तरीका अपनाएं। शरीर को बर्फ से ढंक लें अथवा वर्फ के पानी से लगातार धोते रहें। निकट के अस्पताल में डाक्टर से संपर्क करें।

बचाव के तरीके–

बुखार व हीट स्ट्रोक से बचने के लिए हमेशा पानी साथ में रखें। थोड़े–थोड़े अंतराल पर पानी पीते रहें। इसके अलावा मट्ठा, शिकंजी, नीबू का पानी, सरबत आदि पेय पदार्थ का सेवन करते रहें। धूप में निकलें तो पूरे बदन को ढंक कर रखें। लगातार धूप में न रहें। डा0 मनोज खत्री ने बताया कि गर्मी को हल्के में न लें। लापरवाही बरतना जीवन के लिए घातक हो सकता है।

भू–माफियाओं पर एसडीएम सदर की बड़ी कार्यवाही

कूट रचित दस्तावेज तैयार कर दो बीघा सरकारी जमीन अपने नाम कराने के आदेश को किया निरस्त

भू–माफियाओं व संलिप्त सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर का दिया आदेश

प्रतापगढ़। एसडीएम उदय भान सिंह ने कूट रचित दस्तावेज तैयार कर करीब दो बीघा जमीन भू–माफियाओं द्वारा अपने नाम कराने के आदेश को निरस्त कर दिया। भू–माफियाओं व उनके कार्यों में सहयोग करने वाले कर्मचारियों पर एफआईआर दर्ज कराने का तहसीलदार को आदेश दिया है। अंतू थाना क्षेत्र के शुकुलपुर स्थित एआरटीओ कार्यालय से सटे बेसकीमती गाटा संख्या 66, 69 व 69 बहुत पहले से ग्रामसभा की जमीन थी। एआरटीओ कार्यालय बनने के दौरान भू–माफियाओं की नजर सरकारी जमीन पर पड़ी। इसके लिए अनन्तराम पुत्र केदार नाथ आदि निवासी बभनी ने चकबंदी कार्यालय के कर्मियों व लेखपाल से मिलीभगत कर वर्ष 2020 में उक्त जमीन अपने नाम करा लिया। कोई जानने न पाए इसके लिए मामले को दबाए रखा। बाद में चकबंदी कार्यालय से फर्जी पत्रावली तैयार कराई गई। जबकि पत्रावली का कोई रिकार्ड सरकारी अभिलेखों में दर्ज नहीं था। जमीन हथियाने के लिए 21 सितम्बर 2020 को एसडीएम न्यायालय में 32ध्38 का वाद दायर किया गया। मामला चलता रहा। तारीख पर तारीख पड़ती रही। मुकदमे के दौरान एसडीएम सदर उदयभान सिंह ने उक्त जमीन के बावत चकबंदी कार्यालय से आख्या मांगी। एसओसी ने अपनी आख्या में लिखा कि इस नाम का सरकारी अभिलेखों में कोई रिकार्ड व आदेश नहीं है। यह प्रकरण पूर्णतः फर्जी है। जबकि रूल 109 के तहत खसरा खतौनी में दर्ज होना चाहिए था। एडीएम ने सरकारी अभिलेखों से जब गहन परीक्षण कराया तो मामला फर्जी पाया। उन्होंने दायर वाद को फर्जी पाते हुए निरस्त कर दिया। कूटरचना के आधार पर अभिलेखों में अपना नाम दर्ज कराने वाले खातेदारों व उनके कार्यों में सहयोग करने वाले राजस्वकर्मियों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराने का आदेश तहसीलदार सदर विनय कुमार द्विवेदी को दिया है। एसडीएम उदय भान सिंह के द्वारा सात जून को दिए गये आदेश की जानकारी होने पर जमीन के गोरखधंधे में लिप्त भू–माफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है।

आवारा पशुओं को पकड़ने में नगर पालिका कर्मियों को छूटे पसीने

जितने पकड़ते उससे अधिक फिर आ जाते हैं शहर की सड़कों पर

प्रतापगढ़। शहर को गंदा करने में आवारा पशु नगरपालिका के लिए मुसीबत बने हुए हैं। शहर को क्लीन रखने के लिए कम्पनी को ठेका दिया गया है। नगरपालिका व कम्पनी के सफाईकर्मी मुहल्लों व सड़कों पर दिनभर साफ करते फिर कुछ देर बाद पशुओं की वजह से गंदगी ही गदंगी चारों तरफ दिखाई देने लगती है। डीएम संजीव रंजन व ईओ के निर्देश पर नगरपालिका के इंस्पेक्टर डा0 संतोष सिंह की अगुवाई में पालिका कर्मियों ने बुद्धवार को शहर में घूम रहे आवारा पशुओं को पकड़ने का अभियान चलाया। इधर–उधर भाग रहे पशुओं को पकड़ने में पालिका कर्मियों को भीषण गर्मी में काफी मशक्कत करनी पड़ी। शहर के कम्पनी गार्डेन, आफीसर्स कालोनी समेत अन्य स्थानों से दो दर्जन से अधिक आवारा पशुओं को पकड़ कर गौशाला भेजा। इंस्पेक्टर डा0 संतोष सिंह ने लोगों से अपील किया कि शहर आपका है। पशुओं को खुले में बाहर न छोड़े। शहर को साफ बनाए रखने में नगरपालिका का सहयोग करें।

मक्का में भीषण गर्मी के बीच 550 हज यात्रियों की मौत, पारा 51 डिग्री तक पहुंचा

राजनयिकों ने मंगलवार को कहा कि हज के दौरान कम से कम 550 यात्रियों की मौत हुई, जो इस साल फिर से भीषण गर्मी में तीर्थयात्रा की भीषण प्रकृति को दर्शाता है।

मरने वालों में कम से कम 323 मिस्र के थे, जिनमें से ज़्यादातर गर्मी से जुड़ी बीमारियों के कारण मारे गए, अपने देशों की प्रतिक्रियाओं का समन्वय करने वाले दो अरब राजनयिकों ने एएफपी को बताया। एक राजनयिक ने कहा, ष्उनमें से सभी (मिस्र के) गर्मी के कारण मरेष सिवाय एक को छोड़कर जो मामूली भीड़ के दौरान घातक रूप से घायल हो गया, उन्होंने कहा कि कुल आंकड़ा मक्का के अल–मुआइसम पड़ोस में अस्पताल के मुर्दाघर से आया है।

राजनयिकों ने कहा कि कम से कम 60 जॉर्डन के लोग भी मारे गए, जबकि अम्मान द्वारा मंगलवार को पहले दी गई आधिकारिक संख्या 41 थी। एएफपी की गणना के अनुसार, नई मौतों के साथ अब तक कई देशों द्वारा बताई गई कुल संख्या 577 हो गई है। राजनयिकों ने बताया कि मक्का के सबसे बड़े मुर्दाघरों में से एक अल–मुआइसम में कुल 550 लोग थे। हज इस्लाम के पाँच स्तंभों में से एक है और सभी मुसलमानों को कम से कम एक बार इसे पूरा करना चाहिए।

पिछले महीने प्रकाशित एक सऊदी अध्ययन के अनुसार, तीर्थयात्रा जलवायु परिवर्तन से तेजी से प्रभावित हो रही है, जिसमें कहा गया है कि जिस क्षेत्र में अनुष्ठान किए जाते हैं, वहाँ का तापमान हर दशक में 0.4 डिग्री सेल्सियस (0.72 डिग्री फारेनहाइट) बढ़ रहा है। सऊदी राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने कहा कि सोमवार को मक्का की ग्रैंड मस्जिद में तापमान 51.8 डिग्री सेल्सियस (125 फारेनहाइट) तक पहुँच गया।

गर्मी का तनाव

इससे पहले मंगलवार को, मिस्र के विदेश मंत्रालय ने कहा कि काहिरा हज के दौरान लापता हुए मिस्रियों की तलाश के लिए सऊदी अधिकारियों के साथ सहयोग कर रहा है। जबकि मंत्रालय के एक बयान में कहा गया कि "कुछ निश्चित संख्या में मौतें" हुई हैं, लेकिन यह निर्दिष्ट नहीं किया गया कि उनमें मिस्र के लोग भी शामिल थे या नहीं।

सऊदी अधिकारियों ने गर्मी के तनाव से पीड़ित 2,000 से अधिक तीर्थयात्रियों के उपचार की सूचना दी है, लेकिन रविवार से उस आंकड़े को अपडेट नहीं किया है और न ही मौतों के बारे में जानकारी दी है। पिछले साल विभिन्न देशों ने कम से कम 240 तीर्थयात्रियों के मरने की सूचना दी थी, जिनमें से अधिकांश इंडोनेशियाई थे।

मक्का के बाहर मीना में एएफपी के पत्रकारों ने सोमवार को तीर्थयात्रियों को अपने सिर पर पानी की बोतलें डालते हुए देखा, जबकि स्वयंसेवकों ने उन्हें ठंडा रखने के लिए कोल्ड ड्रिंक और तेजी से पिघलने वाली चॉकलेट आइसक्रीम दी। सऊदी अधिकारियों ने तीर्थयात्रियों को छाते का उपयोग करने, खूब पानी पीने और दिन के सबसे गर्म घंटों के दौरान धूप में निकलने से बचने की सलाह दी थी।

लेकिन शनिवार को माउंट अराफात पर हुई प्रार्थनाओं सहित कई हज अनुष्ठानों में दिन के समय घंटों बाहर रहना शामिल है। कुछ तीर्थयात्रियों ने सड़क किनारे गतिहीन शवों और कई बार एम्बुलेंस सेवाओं को व्यस्त देखने का वर्णन किया। सऊदी अधिकारियों के अनुसार, इस साल लगभग 1.8 मिलियन तीर्थयात्रियों ने हज में भाग लिया, जिनमें से 1.6 मिलियन विदेशी थे।

अपंजीकृत तीर्थयात्री

हर साल, हजारों तीर्थयात्री अनियमित चौनलों के जरिए हज करने का प्रयास करते हैं क्योंकि वे आधिकारिक हज वीजा के लिए अक्सर महंगी प्रक्रियाओं का खर्च नहीं उठा सकते। यह इन गैर–बुक तीर्थयात्रियों को जोखिम में डालता है क्योंकि वे हज मार्ग पर सऊदी अधिकारियों द्वारा प्रदान की गई वातानुकूलित सुविधाओं का उपयोग नहीं कर सकते। मंगलवार को ।थ्ट से बात करने वाले राजनयिकों में से एक ने कहा कि मिस्र में मरने वालों की संख्या में "बिल्कुल" वृद्धि बड़ी संख्या में अपंजीकृत मिस्र के तीर्थयात्रियों की वजह से हुई है।

खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पाकिस्तानी पत्रकार की गोली मारकर हत्या

पेशावर। पाकिस्तान के उत्तर–पश्चिम में अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में मंगलवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने एक पाकिस्तानी पत्रकार की गोली मारकर हत्या कर दी। एक कबायली पत्रकार संघ ने यह जानकारी दी। पश्तो समाचार चैनल खैबर न्यूज से जुड़े खलील जिब्रान की खैबर जिले के मजरीना सुल्तानखेल इलाके में उनके घर के पास गोली मारकर हत्या कर दी गई। साजिद नामक एक अन्य व्यक्ति गोलीबारी में घायल हो गया। हमलावर, पत्रकार की हत्या करने के बाद घटनास्थल से भागने में सफल रहे। सूत्रों ने बताया कि पुलिस के दल घटनास्थल के लिए रवाना हो गए हैं।

रूस और उत्तर कोरिया के संबंधों को मजबूत बनाने के लिए एक समझौता करेंगे : पुतिन

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को कहा कि रूस और उत्तर कोरिया आर्थिक तथा सैन्य सहयोग बढ़ाने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। रूसी राष्ट्रपति ने उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन के साथ बुधवार को प्योंगयांग में मुलाकात की। पुतिन ने यूक्रेन पर रूस की नीतियों का समर्थन करने के लिए उत्तर कोरिया का आभार भी व्यक्त किया। रूस ने यूक्रेन पर 2022 में आक्रमण किया था और यह संघर्ष आज भी जारी है। उत्तर कोरियाई नेता के साथ अपनी वार्ता की शुरुआत में पुतिन ने कहा कि ''नया मौलिक दस्तावेज दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य में हमारे संबंधों का आधार बनेगा।''

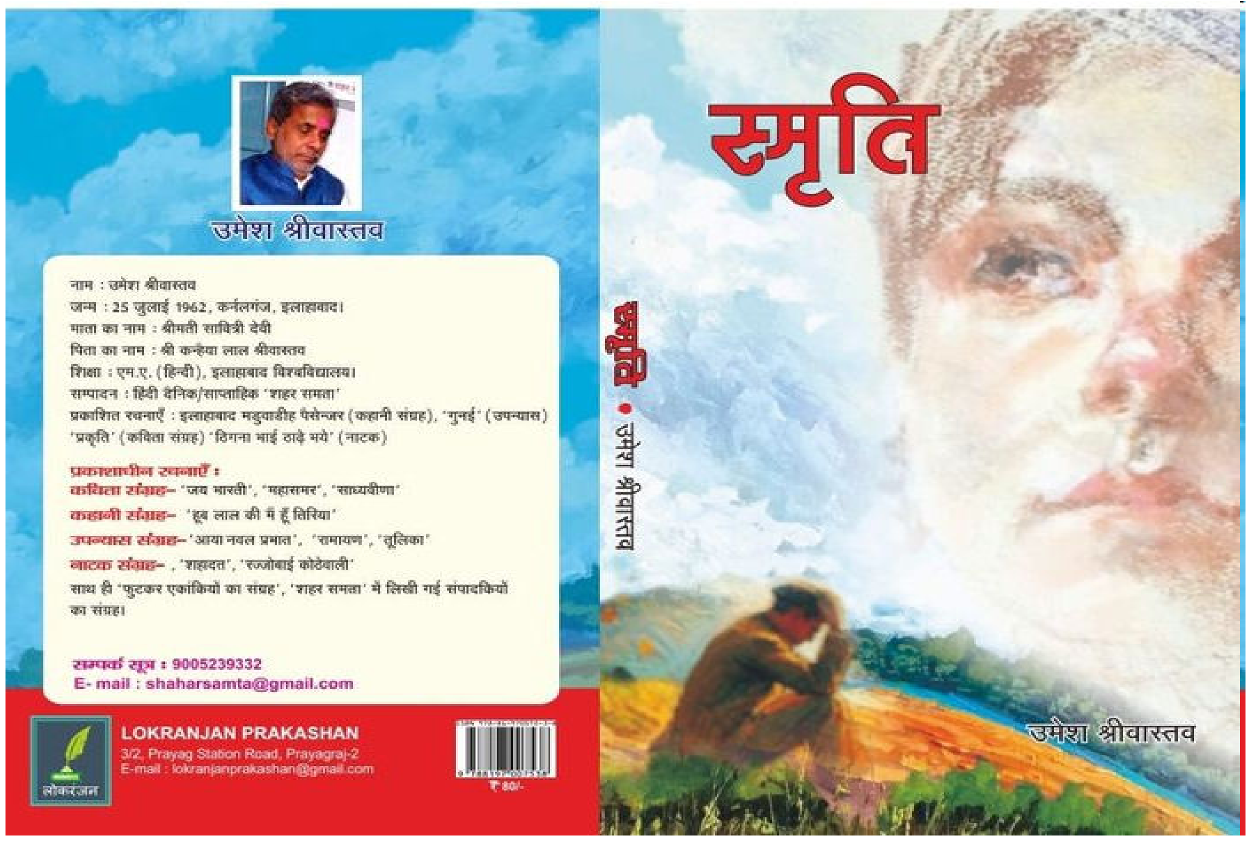

कनाडा की संसद में खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की याद में रखा गया मौन, भारत का ऐसा रहा रिएक्शन

टोरंटो। कनाडा के सदन ने खालिस्तान समर्थक व्यक्ति हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की पहली वर्षगांठ मनाने के लिए मंगलवार को 'मौन का क्षण' मनाया। इस दिन वैंकूवर में भारत के वाणिज्य दूतावास के सामने एक बड़ा विरोध प्रदर्शन भी हुआ, जिसमें अन्य पोस्टरों के अलावा, जून 1985 में एयर इंडिया की उड़ान 182 पर बम विस्फोट के मास्टरमाइंड माने जाने वाले व्यक्ति को दिखाया गया था, जो कनाडा के इतिहास में आतंकवाद की सबसे भयानक घटना थी। पिछले साल 18 जून को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में मारे गए निज्जर की "हत्या" पर सदन में टिप्पणी की घोषणा स्पीकर ग्रेग फर्गस ने पार्टी लाइनों के पार एक "सहमति" के बाद की थी। खालिस्तान समर्थक तत्वों ने भी इस दिन को मनाया, क्योंकि कई लोग एक साल पहले निज्जर की हत्या का विरोध करने के लिए वैंकूवर में भारत के वाणिज्य दूतावास के सामने एकत्र हुए थे। सिख फॉर जस्टिस के महासचिव गुरपतवंत सिंह पन्नू ने कहा, ष्कनाडाई न्याय से बचने वाले भारतीय मंत्रियों और राजनयिकों को निश्चित रूप से खालसा न्याय का सामना करना पड़ेगा, क्योंकि खालिस्तान समर्थक सिख निज्जर के हत्यारों को अंतरराष्ट्रीय कानूनों के तहत जिम्मेदार ठहराएंगे।ष उन्होंने कहा, ष्आप कुछ समय के लिए राजनयिक छूट के पीछे छिप सकते हैं, लेकिन जीवन भर सुरक्षित नहीं रह सकते।ष उन्होंने 23 जून से एयर इंडिया के बहिष्कार का भी आह्वान किया। यह तारीख खालिस्तानी इस आतंकवादी हमले में 86 बच्चों सहित 329 लोगों की जान चली गई थी और इसे कनाडा में आतंकवाद के पीड़ितों की याद में राष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाया जाता है। वैंकूवर वाणिज्य दूतावास के सामने विरोध प्रदर्शन में तलविंदर सिंह परमार की छवि वाले पोस्टर प्रदर्शित किए गए थे, जिन्हें आतंकवादी हमले का मास्टरमाइंड माना जाता है। पन्नू ने पिछले साल नवंबर में इसी तरह के बहिष्कार का आह्वान किया था, लेकिन इसका कनाडा से एयरलाइन की सेवाओं पर बहुत कम प्रभाव पड़ा था। एक्स पर एक पोस्ट में, भारतीय वाणिज्य दूतावास ने उस त्रासदी का उल्लेख करते हुए इसे ष्नागरिक उड्डयन के इतिहास में सबसे जघन्य आतंकवाद से संबंधित हवाई आपदाओं में से एकष बताया। इसमें आगे कहा गया, ष्भारत आतंकवाद के खतरे का मुकाबला करने में सबसे आगे है और इस वैश्विक खतरे से निपटने के लिए सभी देशों के साथ मिलकर काम करता है।ष निज्जर की हत्या ने भारत और कनाडा के बीच संबंधों को खराब कर दिया है, पिछले साल 18 सितंबर को हाउस ऑफ कॉमन्स में प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो के बयान के बाद कि भारतीय एजेंटों और हत्या के बीच संभावित संबंध के ष्विश्वसनीय आरोपष थे।

➕ एस.लाल एण्ड सन्स मेडिकल्स
OPD
नेत्र रोग विशेषज्ञ
डा. आर.के. श्रीवास्तव
समय - 10 बजे से 1 बजे तक, दिन - सोमवार, मंगलवार, शुक्रवार, (निःशुल्क परामर्श - शनिवार, रविवार)
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. शिखा माथुर
प्रतिदिन - दोपहर 1 से 3 बजे तक
जनरल फिजिशियन
डा. कार्तिकेय
समय - शाम 4 बजे से 8 बजे तक । दिन - प्रतिदिन
पता - 18B, म्योर रोड, जहाज चौराहा, प्रयागराज
Mob.: 9151121918, 9140445768

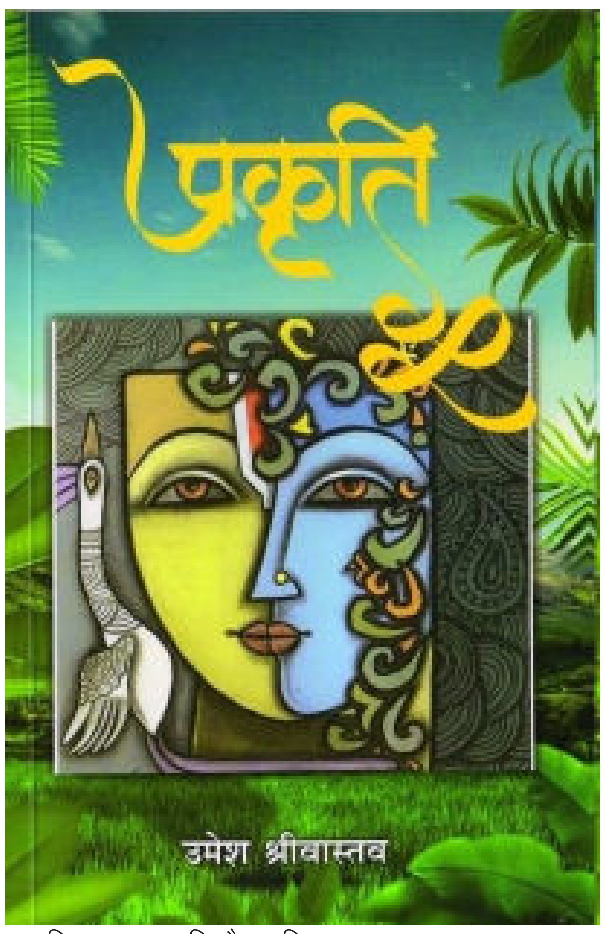

प्रसिद्ध पत्रकार,कवि और साहित्यकार त्तथा शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव का काव्य संग्रह ष्प्रकृतिष लोकरंजन प्रकाशन द्वारा प्रकाशित किया गया है और अमेजन पर उपलब्ध है।

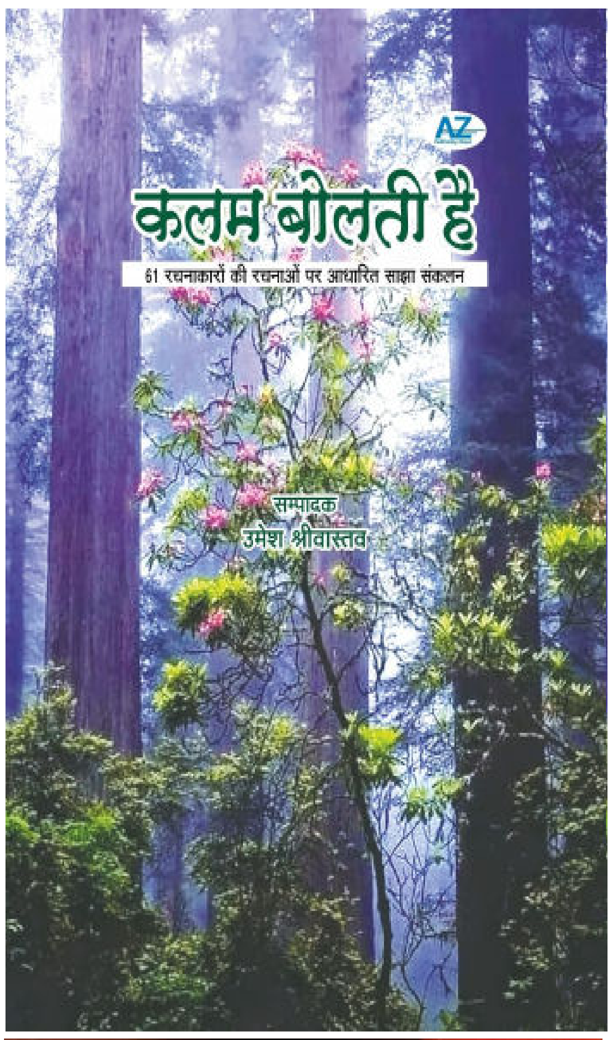

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

यमन के हूती विद्रोहियों के हमले के बाद पोत लाल सागर में डूबा

यमन के हूती विद्रोहियों की ओर से निशाना बनाए जाने के बाद मालवाहक पोत लाल सागर में डूब गया। हूती विद्रोहियों के हमले में पोत के डूबने की यह दूसरी घटना है। अधिकारियों ने बुधवार सुबह यह जानकारी दी। ब्रिटेन की सेना के 'यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशन सेंटर' (यूकेएमटीओ) ने क्षेत्र में नाविकों को सचेत करते हुए बताया कि 'द ट्यूटर' लाल सागर में डूब गया। यूकेएमटीओ ने कहा, '' सैन्य अधिकारियों ने बताया है कि उन्होंने समुद्री मलबा और तेल देखा है। माना जा रहा है कि जहाज डूब गया है।'' हूती विद्रोहियों ने पोत के डूबने के संबंध में फिलहाल कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की है। पोत 'द ट्यूटर' पर एक सप्ताह पहले लाल सागर में हमला किया गया था।

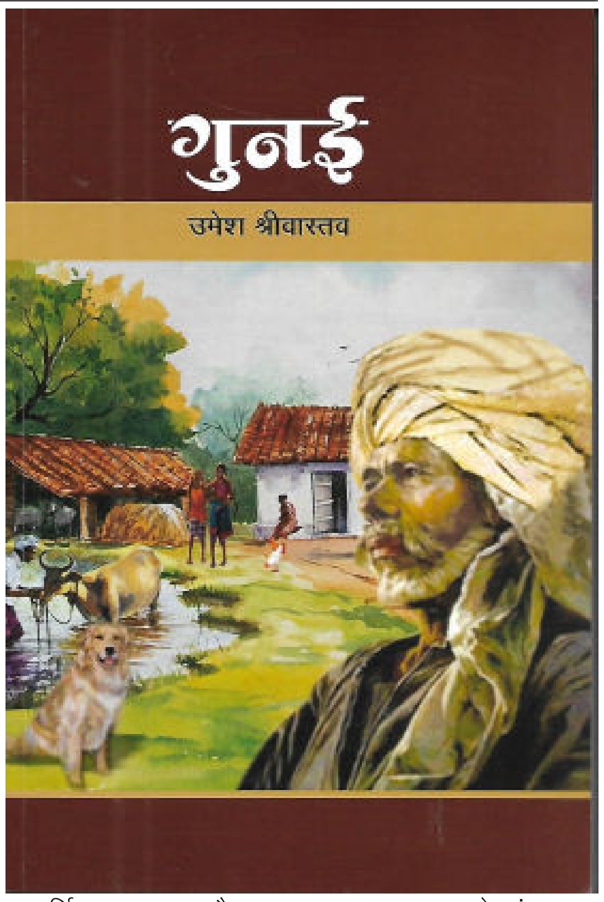

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

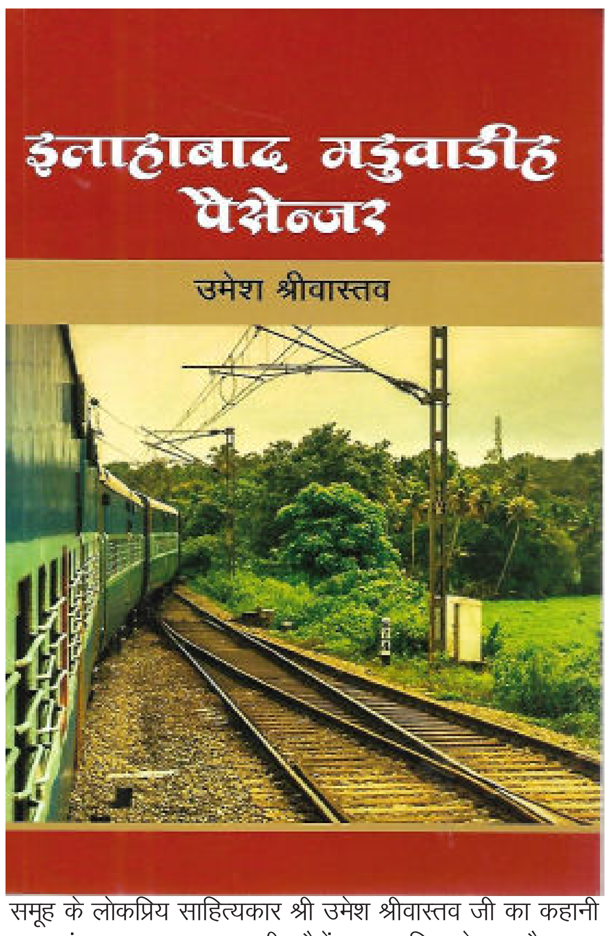

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

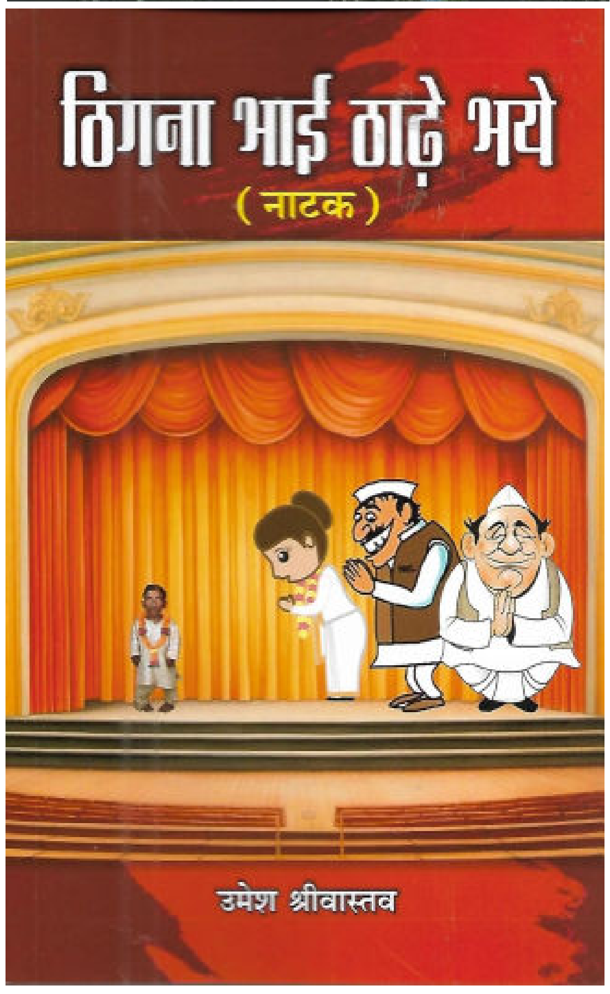

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।